www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 92 || लखनऊ
गुरुवार
02 जुलाई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:16
सूर्यास्तः 07:04
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 07

विशेष समाचार
दिल्लीः वायु प्रदूषण के साथ ... >> पेज 04
आकाशीय बिजली गिरी, दो... >> पेज 06
संन्यास से लौटीं सेरेना के पहले ...

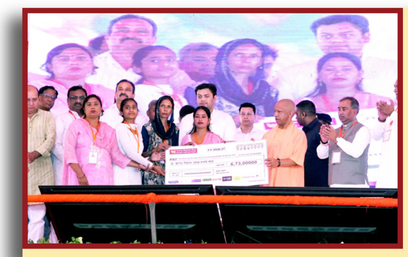

कैराना हिंदू विहीन हो रहा था: योगी

2017 से पहले सपा की सरकार दंगा कराती थी, बच्चों को खाना परोसा

लोकार्पण

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सीएम योगी बुधवार दोपहर करीब 12 बजे सहारनपुर पहुंचे। यहां उन्होंने 620 करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस मौके पर योगी ने कहा कि 2017 से पहले यहां दंगा होता था। बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। व्यापारी खुद को डरा हुआ महसूस करते थे। कैराना से पलायन हो रहा था। क्षेत्र हिंदूविहीन हो रहा था। मुरादाबाद में 2011-2012 में डीआईजी पर हमला हुआ। सपा सरकार उपद्रवियों का केस वापस ले रही थी। हमारी सरकार में उन सभी को सजा दिलवाई। वो लोग मंदिर की जगह कब्रिस्तान की बाउंड्री बनवाते थे। अब अयोध्या को बदनाम कर रहे हैं। योगी ने इस्माइलपुर कंपोजिट स्कूल में स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत भी की। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से बेसिक स्कूलों का कायाकल्प हुआ है। पिछले 9 साल के दौरान बेसिक स्कूलों की हालत बेहतर हुई है। शिक्षा में सुधार हुआ है।

>> (शेष पेज 06 पर)

620 करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया योगी ने

सपा के गुर्गे पैसा खाते थे, कब्रिस्तान की बाउंड्री बनती थी

योगी ने कहा- यहां मां शाकंभरी देवी एलिवेटेड कॉरिडोर बन रहा है। इससे किसी भी मौसम में श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी नहीं होगी। बरसात में उन्हें नाले का खतरा नहीं होगा। 2017 के पहले यह एक सपना था। पैसा तब भी था, लेकिन पैसे का उपयोग कहां करना है, इसके लिए विजन नहीं था।

- सीएम योगी स्कूल चलो अभियान शुरू करने के बाद सहारनपुर
- शहर के महाराज सिंह पार्क ग्राउंड में होने वाली जनसभा में पहुंचे और सभी का अभिवादन किया।
- प्राइमरी स्कूल के बच्चों को सीएम योगी ने अपने हाथों यूनिफार्म और किताबें दीं।

जाति पर बांटने वाले आपको कमजोर कर रहे हैं

योगी ने कहा कि जाति के नाम पर बांटने वाले लोग आपको कमजोर कर रहे हैं। क्षेत्र के नाम पर बांटने वाले लोग कमजोर कर रहे हैं। इनके बहकावे में आने की जरूरत नहीं।

इनका दोहरा चरित्र देखिए। ये वो लोग हैं, जिनकी कभी आस्था नहीं थी। सीएम योगी ने कहा कि जो काशी विश्वनाथ धाम, मथुरा वृंदावन का विरोध कर रहे थे, जिन्होंने रामजन्मभूमि आंदोलन का विरोध किया था, वहां भगवान राम का मंदिर न बने उसका एड़ी-चोटी लगाकर विरोध किया था।

ये वो लोग हैं, जो कहते थे कि अयोधया में परिंदा भी पर नहीं मार सकता। लाखों रामभक्त कारसेवक के रूप में अयोध्या पहुंच गए थे।

सीएम योगी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि सपा ने उपद्रवियों पर मुकदमा नहीं चलाया, उल्टा उनके केस वापस लेने की कोशिश कर रही थी।

उन्हें सिर्फ सैफई दिखता था, हमें पूरा प्रदेश

प्रदेश में एक लाख से ज्यादा राजस्व गांव है, लेकिन उन्हें सिर्फ सैफई की चिंता थी। अब भाजपा की डबल इंजन की सरकार सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों की चिंता करती है। सहारनपुर की चिंता करती है। सभी जगह विकास बराबर से हो रहा है। सपा की सरकार में सिर्फ एक ही विचारधारा के नाम से योजना बनती थी। संस्थाओं का नाम किसी दूसरे महापुरुष के नाम पर नहीं होता था। कन्नौज में मेडिकल कॉलेज के नाम से बाबा आंबेडकर का नाम हटवा दिया था।

भारत-पाक की 117 प्रमुख हस्तियों ने मोदी-शहबाज को पत्र लिखा

नई दिल्ली/इस्लामाबाद। भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने के लिए दोनों देशों की 117 हस्तियों ने पीएम मोदी और पाक पीएम शहबाज शरीफ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि टकराव नहीं, बातचीत का रास्ता चुनिए, ताकि दक्षिण एशिया में शांति और विकास का माहौल बन सके। इन 117 हस्तियों में पूर्व अधिकारी, सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं। भारत की ओर से जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और आरजेडी सांसद मनोज झा समेत 61 लोगों और पाकिस्तान की ओर से पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी समेत 56 लोगों ने चिट्ठी पर साइन किए हैं। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब हाल के महीनों में भारत और पाकिस्तान के संबंधों में तनाव बना हुआ है। इनका कहना है।

दावा-खामेनेई के अंतिम संस्कार में बीजेपी चीफ नबीन को न्योता

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, पवन खेड़ा भी आमंत्रित, 2 करोड़ लोगों के पहुंचने का अनुमान

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान ने सुप्रीम लीडर रहे आयतुल्लाह खामेनेई के अंतिम संस्कार में भाजपा और कांग्रेस दोनों के सीनियर नेताओं को न्योता भेजा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पवन खेड़ा और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद शामिल हैं।

ईरान ने पीडीपी प्रमुख चीफ महबूबा मुफ्ती को भी अंतिम संस्कार में शामिल होने का न्योता भेजा है। इसके अलावा जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को भी निमंत्रण भेजा गया है।

ईरान ने पीएम मोदी को भी अंतिम संस्कार कार्यक्रम के लिए

न्योता भेजा था। भारत सरकार पहले ही अंतिम संस्कार में अपना आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला कर चुकी है। इसका नेतृत्व विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा करेंगे। उनके साथ बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन भी होंगे।

ईरानी अधिकारियों का अनुमान है कि अंतिम यात्रा में 1.5 से 2 करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। ऐसा हुआ तो यह देश के इतिहास का सबसे बड़ा राजकीय अंतिम संस्कार होगा।

जम्मू-कश्मीर में बादल फटा, अरुणाचल में बाढ़

पीएम-बिहार में बिजली गिरने से 8 की मौत, जुलाई में सामान्य से कम बारिश का अनुमान

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। जम्मू-कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालगीसर इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है। अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई। इधर, मध्य प्रदेश के हरदा-खरगोन में बिजली गिरने से 3

लोगों की मौत हो गई, जबकि बैतूल में एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। वहीं, चंपा नदी के उफान में बाइक समेत दो युवक बह गए। बिहार में भी बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। यूपी के सोनभद्र में मंगलवार शाम 4 बजे

> आईएमडी ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और पूरे जम्मू-कश्मीर में पहुंच सकता है। अल नीनो के असर के कारण इस साल मानसून प्रभावित हुआ है।

पिकनिक मनाने गए 3 लोग बरसाती नाले के तेज बहाव में बह गए। एक ही मौत हुई।

फास्ट न्यूज

तमिलनाडु में विजय सरकार गिराने की साजिश

नई दिल्ली। तमिलनाडु में एक्टर विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (TVK) के विधायकों को 35 करोड़ रुपए का लालच देकर राज्य सरकार को गिराने की कथित साजिश का दावा किया गया है। कि इस योजना को समय रहते नाकाम कर दिया गया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, साजिश के तहत TVK के 15 विधायकों से एक साथ इस्तीफा दिलाकर सरकार को संकट में डालने की तैयारी थी।

मुंबई- विहान का क्रिकेट बॉल के साथ अंतिम संस्कार

मुंबई। मुंबई में स्कूल बस हादसे में जान गंवाने वाले विहान श्रीवास्तव का बुधवार को अंतिम संस्कार हुआ। इस दौरान क्रिकेट बॉल उसके साथ रखी गई। विहान के परिवार ने बताया, 'उसे क्रिकेट बहुत पसंद था और उसका सपना प्रोफेशनल क्रिकेटर बनने का था, लेकिन इस हादसे ने उसके सारे सपने खत्म कर दिए।' रिश्तेदार अनिल ने बताया कि उसकी मां जूही को अब भी यकीन नहीं हो रहा कि उनका बेटा इस दुनिया में नहीं रहा। वह घर में बेटे का क्रिकेट बैट सीने से लगाए बैठी हैं। वह बार-बार यही कह रही हैं कि विहान अभी खेलने जाएगा।

24 घंटे में पूरे हिमाचल में पहुंचा मानसून

शिमला। मानसून ने 24 घंटे के भीतर पूरे हिमाचल प्रदेश को कवर कर दिया है। बीते मंगलवार को मानसून ने छह जिलों में दस्तक दी थी। मौसम विभाग ने अगले 4-5 दिनों के दौरान राज्य में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मानसून ने एंट्री के साथ ही तबाही मचाना शुरू कर दिया है। मंडी के ओट में आज सुबह शनि मंदिर के पास पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई।

वेनेजुएला में मारे गए भारतीय नाविक के ब्रेन, फेफड़े-दिल निकाले

पोस्टमॉर्टम में शरीर पर 22 कट मिले, 55 दिन पहले शिप पर मौत हुई थी

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। वेनेजुएला में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले भारतीय नाविक राकेश चौहान (33) की बॉडी से दिमाग, फेफड़े, दिल, लीवर, किडनी समेत कई अंग गायब मिले हैं। यह आरोप चौहान की फैमिली ने लगाया है। फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (FSUI) ने यह जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट में दी। पीड़ित परिवार का आरोप है कि शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम हुआ तो शरीर पर 22 टांके मिले। बॉडी से तिल्ली (प्लीहा या स्प्लीन), अग्न्याशय (पैंक्रियास), आंतें, थायरॉयड ग्लैंड, पैंक्रियास, गॉल ब्लैडर, वॉइस बॉक्स और श्वास नली भी गायब थे।

राकेश चौहान उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले थे। उन्होंने नवंबर 2025 में मर्चेंट नेवी जॉइन की थी और वेनेजुएला में मरीन फिटर के रूप में काम कर रहे थे। परिवार के मुताबिक 7 मई को कंपनी ने फोन कर बताया कि राकेश जहाज पर गिर गए हैं और उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। अगले दिन परिवार से कहा गया कि उनके बचने की संभावना सिर्फ 5% है। उसी शाम कंपनी ने राकेश की मौत की सूचना दी। कंपनी का दावा था।

>> (शेष पेज 06 पर)

राममंदिर चोरी : आरोपी अविनाश के घर 20 लाख मिले

1 हजार डॉलर भी बरामद, संदूक पर लिखा था- रामराज्य कोष, क्यूआर कोड भी चिपका था

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बुधवार को आरोपी लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा के घर पुलिस ने छापेमारी की। दस्तावेजों को खंगाला और परिजनों भी पूछताछ की गई। इस बीच, 8 में से 7 आरोपियों के घर बरामदगी का ब्योरा सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक 20 लाख कैश जेल में बंद अविनाश शुक्ला के पास मिला है। 1121 डॉलर यानी करीब एक लाख 6 हजार रुपए और सोने-चांदी की ज्वेलरी भी बरामद हुई है। टिन्नू के पास से 1 लाख और उसके भतीजे से 2 लाख कैश मिले हैं। अविनाश के अयोध्या स्थित योग

अविनाश शुक्ला
आरोपी

सेंटर पर 28 जून को पुलिस ने छापा मारा था। तब एक संदूक बरामद हुआ था। उस पर लाल रंग से 'रामराज्य कोष' लिखा था। पेटीएम का QR कोड लगा था। छापेमारी का वीडियो बुधवार सुबह सामने आया। इस बीच, राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की तबीयत बिगड़ गई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

राम मंदिर चढ़ावा चोरी- किस आरोपी के पास कितने रुपए बरामद हुए

अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में माल बरामदगी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक 20 लाख कैश अविनाश शुक्ला के पास मिला है। 1121 डॉलर यानी करीब एक लाख 6 हजार रुपए और सोने-चांदी की ज्वेलरी भी बरामद हुई है। टिन्नू के पास से 1 लाख और उसके भतीजे से 2 लाख कैश मिले हैं।

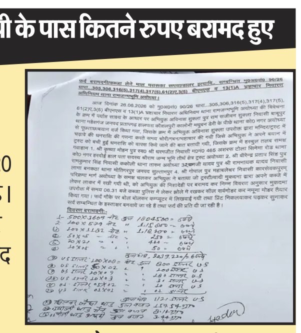

- अविनाश शुक्ला- 20,39,220 रुपए और 1121 अमेरिकी डॉलर (1,06,667.10 रुपए), एक चांदी जैसी धातु, सोने की 2 चेन और एक अंगूठी।
- अनुकल्प मिश्रा- 16,82,040 रुपए
- लवकुश मिश्रा- 14,25,000
- रमाशंकर मिश्रा- 7,32,170 रुपए
- राम शंकर यादव टिन्नू- एक लाख
- करुणेश पांडेय- 18,07,063 रुपए
- मनीष यादव- 2 लाख रुपए
- कुल बरामदगी- 79.85 लाख और 1121 डॉलर

वॉट्सएप के यूजरनेम फीचर की जांच करेगी सरकार

कहा- टेलीग्राम की तरह गलत इस्तेमाल की आशंका, नए फीचर में यूजरनेम से भी होगी चैट

लोकार्पण

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार वॉट्सएप के नए यूजरनेम फीचर की जांच करेगी। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, सरकार का कहना है कि इस फीचर से पहचान छिपाकर धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड का खतरा काफी बढ़ सकता है।

पेरेंट कंपनी मेटा ने अपने इंस्टेंट मैसेजिंग एप में मोबाइल नंबर बताए बिना चैट करने वाला फीचर लॉन्च किया है। इसमें लोग सिर्फ यूजरनेम के जरिए किसी नए व्यक्ति से चैट कर सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार, सरकार वॉट्सएप के इस अपकमिंग यूजरनेम फीचर की बारीकी से जांच करेगी। चिंता इस बात को लेकर है।

व्हाट्सएप के हेड कुणाल शाह ने एक्स पर लिखा था सही समय ही सब कुछ है। दुनिया भर में यह फीचर जारी होने से पहले ही व्हाट्सएप से जुड़ें और अपना यूजरनेम सुरक्षित कर लें। अब अपनी पसंद का यूजरनेम लेने का समय है। लोगों से जुड़ने का एक अधिक निजी (प्राइवेट) तरीका जल्द ही आपके व्हाट्सएप पर आने वाला है।

तीन दिन पहले यूजरनेम फीचर लॉन्च किया था

कंपनी ने 29 जून से दुनियाभर में यूजरनेम का रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। हालांकि, यह सुविधा सभी यूजर्स को एक साथ नहीं मिलेगी। आने वाले कुछ महीनों में इसे धीरे-धीरे सभी देशों में रोल आउट किया जाएगा। जब यह फीचर यूजर के इलाके में उपलब्ध होगा, तब उसके वॉट्सएप के अंदर नोटिफिकेशन मिलेगा।

सबसे पहले जानें, जल्दी यूजरनेम बुक करना क्यों जरूरी है

दुनियाभर में करोड़ों यूजर्स एक जैसे या मिलते-जुलते यूजरनेम चुन सकते हैं। ऐसे में जो लोग पहले अपना यूजरनेम रिजर्व करेंगे, उन्हें अपनी पसंद का यूजरनेम मिलने की संभावना ज्यादा होगी। इतने बड़े यूजर बेस की सुरक्षा और फेक प्रोफाइल से होने वाले फ्रॉड रोकने के लिए सरकार नए फीचर के सेफ्टी स्टैंडर्ड्स परखना चाहती है।

इस नए फीचर से क्या बदलेगा

- यूजरनेम फीचर आने के बाद कुछ स्थितियों में फोन नंबर अपने-आप दिखाई नहीं देगा। इनमें शामिल हैं:
- जब आपको किसी बड़े ग्रुप चैट में जोड़ा जाएगा।
- जब आप पहली बार किसी व्यक्ति को मैसेज करेंगे।
- इस बदलाव से आपका फोन नंबर निजी (प्राइवेट) रहेगा। वह तभी दिखाई देगा, जब आप खुद उसे साझा करना चाहेंगे।

30 दिन जेल में रहे तो पीएम और सीएम की कुर्सी जाएगी

सरकार मानसून सत्र में बिल ला सकती है, संसदीय समिति 17 जुलाई को दे सकती है मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अगर कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री या राज्य मंत्री किसी गंभीर अपराध के मामले में गिरफ्तार होने के बाद लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो अपने आप पद छोड़ना पड़ सकता है। इससे जुड़े बिलों को सरकार मानसून सत्र में इसे पेश कर सकती है। इस प्रावधान वाले 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर संसद की संयुक्त संसदीय समिति (JPC) 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को मंजूरी दे सकती है। सूत्रों के मुताबिक, समिति इस सबसे विवादित प्रावधान को हटाने के पक्ष में नहीं है। हालांकि, रिपोर्ट में ऐसे सुरक्षा उपाय जोड़े जा सकते हैं, ताकि राजनीतिक बदले की भावना से झूठे मामलों में गिरफ्तारी कर किसी सरकार को अस्थिर करने के लिए इस कानून का दुरुपयोग न हो। गृहमंत्री अमित शाह ने इससे जुड़े 3 बिलों को पिछले मानसून सत्र में संसद के दोनों सदनों में रखा था।

- 20 अगस्त 2025 को गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बिल पेश किया था। इसके बाद विपक्षी सांसद वेल में आकर हंगामा करने लगे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

ये पेट्रोल से 30 तक सस्ता होगा, गाजियाबाद-नोएडा के बाद इन शहरों में लगेंगे पंप

पेट्रोल-डीजल की जगह एथनॉल से चलेंगी गाड़ियां

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । देशभर में पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। यूपी में डीजल 95 और पेट्रोल 102 के आसपास बिक रहा है। इसलिए ऑप्शन के तौर पर एथनॉल से चलने वाली गाड़ियों की चर्चा हो रही है। इसे फ्लेक्स फ्यूल भी कहा जा रहा है। जिसकी कीमत 70 से 75 प्रति लीटर हो सकती है।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक, देशभर के सभी पेट्रोल पंप पर E20 मिलने लगा है। 48 पेट्रोल पंपों पर E85 फ्यूल और 183 पंपों पर E100 भी उपलब्ध हैं। ये पंप महाराष्ट्र, दिल्ली, यूपी, कर्नाटक और तमिलनाडु में हैं। दिसंबर, 2026 तक पंप की संख्या संयुक्त रूप से 500 और 2027 तक 5 हजार तक बढ़ाने का टारगेट है।

ऑटो एक्सपर्ट्स का कहना है कि एथनॉल में पेट्रोल की तुलना में करीब 30% कम ऊर्जा होती है। इसलिए E85 या E100 फ्यूल से चलने वाली गाड़ियां उतनी दूरी तय करने के लिए ज्यादा फ्यूल खर्च करती हैं। इनका माइलेज पेट्रोल-डीजल वाली गाड़ियों के मुकाबले 25% से 35% तक कम हो सकता है। लेकिन, एथनॉल फ्यूल सस्ता होने से कुल खर्च कम पड़ सकता है। 65 किमी चलने के लिए करीब 1.25 लीटर E100 की जरूरत होगी। जिसका खर्च 1.25 × 70 = 87.50 आता है। यानी E100 में बाइक का माइलेज कम होगा और वह ज्यादा फ्यूल खर्च करेगी। फिर भी E100 सस्ता होने की वजह से 65 किमी चलाने का खर्च करीब 88 पड़ेगा। जबकि, पेट्रोल में यही दूरी तय करने का खर्च 100 होगा। यानी करीब 12 की बचत हो सकती है।

एथनॉल गाड़ी की खूबियां और कमियां

एथनॉल गाड़ियां E100 जैसे एथनॉल फ्यूल के साथ पेट्रोल पर भी चल सकती हैं। E100 सस्ता होने की वजह से ईंधन का खर्च कम हो सकता है। ये गाड़ियां सामान्य वाहनों के मुकाबले 50% तक कम प्रदूषण फैलाती हैं। साथ ही पेट्रोल-डीजल पर देश की निर्भरता घटाने में मदद करती हैं।

हालांकि, इनकी कीमत सामान्य गाड़ियों से 15 हजार से 40 हजार रुपए तक ज्यादा हो सकती है। पेट्रोल के मुकाबले माइलेज 25-35% तक कम मिल सकता है। इंजन की सर्विस जल्दी करानी पड़ सकती है। लंबे समय तक गाड़ी खड़ी रहने पर कोल्ड स्टार्ट जैसी समस्या भी आ सकती है।

नोएडा-गाजियाबाद में एथनॉल के 3 पंप

E85 और E100 फ्यूल से चलने वाली गाड़ियां भी जून के पहले हफ्ते में लॉन्च हो चुकी हैं। अब बात यहां आकर फंसती है कि अगर E85 या E100 गाड़ियां खरीद ली जाएं, तो उनका फ्यूल कहां और कैसे मिलेगा? पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, देशभर के ज्यादातर पेट्रोल पंपों पर 'E20' फ्यूल मिलने लगा है। E85 और E100 के लिए फिलहाल लिमिटेड पंप हैं। सरकार पेट्रोल पंपों को अपग्रेड कर रही है। आने वाले समय में नॉर्मल पेट्रोल पंप पर भी एथनॉल फ्यूल मिलने लगेगा।

एथनॉल प्रोडक्शन में यूपी नंबर 1

देश में प्रोडक्शन	1990 करोड़ लीटर
यूपी में प्रोडक्शन	236 करोड़ लीटर
प्रदेश में एथनॉल प्लांट	97

टॉप 5 जिले

सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बरेली, सीतापुर
प्राइवेट सेक्टर का सबसे बड़ा एथनॉल प्लांट- गोरखपुर

सोर्स: पेट्रोलियम मंत्रालय (आंकड़े नवंबर, 2025 तक)

औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव पर सख्त हुई समिति

बजट आवंटन में तेजी लाने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ मंडल के अमौसी, सरोजनीनगर और बंथरा औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव और आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर बुधवार को उद्योग बन्धु समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आयुक्त, लखनऊ मंडल ने की। इस दौरान जल निकासी, सीवर निर्माण, सड़क चौड़ीकरण और विभिन्न औद्योगिक योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में सीएण्डडीएस संस्था के प्रतिनिधि ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्रों में स्थायी जल निकासी व्यवस्था के लिए तैयार किया गया आगणन प्रस्ताव नगर विकास विभाग को भेजा जा चुका है और इसे कार्ययोजना में शामिल कर लिया गया है। शासन से बजट स्वीकृत होते ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। इस पर समिति ने सीएण्डडीएस को शासन स्तर पर समन्वय स्थापित कर शीघ्र बजट आवंटन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

वर्षा ऋतु को देखते हुए समिति ने नगर निगम को निर्देशित किया कि स्थायी व्यवस्था बनने तक प्रभावित क्षेत्रों में समय-समय पर पम्पिंग के माध्यम से जल निकासी कराई जाए, ताकि औद्योगिक इकाइयों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में अमौसी और सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा कराए जा रहे सीवर लाइन एवं एसटीपी निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई।

फास्ट न्यूज

समिट बिल्डिंग में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

लखनऊ। लखनऊ के विभूति खंड थाना क्षेत्र स्थित समिट बिल्डिंग के 11वीं मंजिल पर फर्जी कॉल सेंटर पकड़ा गया। बताया जा रहा है कि यहां से जालसाज देश-विदेश में ठगी करते थे। पुलिस ने करीब 12 घंटे तक कॉल सेंटर में सर्च अभियान चलाया। इसके बाद 35 से अधिक युवतियों समेत 100 से ज्यादा लोगों को पकड़कर अपने साथ ले गई।

लखनऊ में रोड एक्सीडेंट में 4 महिला समेत कई घायल

बख्शी का तालाब । लखनऊ के बीकेटी में सीतापुर हाईवे पर बुधवार दोपहर लगभग 3 बजे एक सड़क हादसा हो गया। इन्दौर बाग मोड़ के पास ओवरटेक करने के प्रयास में एक हुंडई i10 कार पहले एक ट्रक से टकराई, फिर अनियंत्रित होकर सामने से आ रही स्कॉर्पियो से जा भिड़ी। इस दुर्घटना में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि कई अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब i10 कार चालक विवेक सिंघल पटना की ओर जा रहे एक ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहे थे।

4 बीघा जमीन को लेकर खूनी संघर्ष

मलिहाबाद। लखनऊ के रहीमाबाद थाना क्षेत्र स्थित गोपालपुर गांव में बुधवार को भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और फायरिंग हुई। दोनों पक्षों के कुल 6 लोग घायल हो गए। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, गोपालपुर गांव स्थित चार बीघा भूमि का बैनामा 12 जून को हुआ था।

रवींद्र जायसवाल ने दस उप निबंधक कार्यालयों का किया वर्चुअल शिलान्यास

रजिस्ट्री कार्यालयों में आमजन को अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है डबल इंजन सरकार : रवींद्र जायसवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

- **विभिन्न जनपदों में आयोजित शिलान्यास समारोहों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर की भागीदारी**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के स्टांप तथा पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रवींद्र जायसवाल ने आज प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आम जनता की सुविधा हेतु नवनिर्मित 10 उप निबंधक कार्यालयों एवं अभिलेखागारों का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। यह शिलान्यास कार्यक्रम मथुरा, कुशीनगर, झांसी, गोण्डा, मुरादाबाद, अमरोहा, सीतापुर, हरदोई, लखनऊ और बाराबंकी जनपदों में विभिन्न जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री जायसवाल ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार रजिस्ट्री कार्यालयों में आने वाले आमजन को हर अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इन नए और विस्तारित भवनों के निर्माण से संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को विलेखों के पंजीकरण और शासकीय अभिलेखों के सुरक्षित रख-रखाव में अत्यधिक सुगमता होगी। इस वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के सभी 10 शिलान्यास स्थलों पर भव्य स्थानीय समारोहों का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। आगरा मंडल के मथुरा जनपद के सदर में आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य श्री तेजवीर सिंह, सांसद श्रीमती हेमामालिनी, विधान परिषद सदस्य श्री योगेश चौधरी, विधान परिषद सदस्य श्री ठा० ओमप्रकाश सिंह तथा विधायक पं० श्रीकान्त शर्मा उपस्थित रहे। वहीं गोरखपुर मंडल के कुशीनगर जनपद के कप्तानगंज में आयोजित समारोह में सांसद श्री विजय कुमार दूबे तथा विधायक श्री विनय प्रकाश गोंड ने सहभागिता की। झांसी मंडल के झांसी जनपद के सदर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद श्री अनुराग शर्मा, विधायक श्री राजीव सिंह पारीछा तथा विधायक श्री रवि शर्मा मौजूद रहे। देवीपाटन मंडल के गोण्डा जनपद के सदर में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक श्री प्रतीक भूषण सिंह, विधान परिषद सदस्य श्री अवधेश कुमार सिंह (मंजू सिंह) तथा सांसद श्री कीर्तिवर्धन सिंह ने हिस्सा लिया।

पारदर्शी नीतियों और तकनीक से रेशम क्षेत्र में नई क्रांति, अंतिम किसान तक पहुंचेगा योजना का लाभ : मंत्री सचान

योगी सरकार की पहल से रेशम किसानों की आय में उछाल

- **मंत्री राकेश सचान ने किया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का लोकार्पण, 08 उत्कृष्ट कीटपालकों को किया सम्मानित**

तमसा संकेत, संवाददाता

एमएसपी से 39 प्रतिशत बढ़ा मुनाफा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन और मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश रेशम उत्पादन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। बुधवार को खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने रेशम निदेशालय, गोमतीनगर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के विस्तार एवं पीसीएस-एफ के अध्यक्ष कक्ष का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योगी सरकार की किसान-हितैषी नीतियों से रेशम किसानों के जीवन में समृद्धि और आत्मनिर्भरता का नया दौर शुरू हुआ है। मंत्री सचान ने बताया कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार शहतूती, टसर एवं एरी सेक्टर की सभी फसलों के ककून पर एमएसपी लागू की गई है। इसका सीधा लाभ किसानों को मिला है। वर्ष 2026-27 की शहतूती सेक्टर की ग्रीष्म फसल में 410324 कि.ग्रा. कोया का उत्पादन हुआ, जिसे किसानों ने 970.96 लाख रुपए में बेचा। यह पिछले वर्ष 2025-26 की तुलना में 273.44 लाख रुपए अधिक है। यानी रेशम किसानों की आय में 39 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। समीक्षा बैठक में मंत्री सचान ने कहा कि योगी सरकार का संकल्प है कि हर योजना का लाभ पारदर्शिता के साथ अंतिम पात्र किसान तक पहुंचे। उन्होंने निर्देश दिए कि लाभार्थी चयन जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी की देखरेख में हो और प्रत्येक लाभार्थी का नाम, मोबाइल नंबर व दी गई सहायता का पूरा ब्यौरा तैयार कर भौतिक सत्यापन कराया जाए। इससे योजनाओं में शत-प्रतिशत पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

08 प्रगतिशील कीटपालकों को प्रशस्ति पत्र व शॉल देकर सम्मानित किया

इस उपलब्धि का उत्सव मनाते हुए मंत्री राकेश सचान एवं अपर मुख्य सचिव बी. एल. मीणा ने ग्रीष्म फसल, 2026 में सर्वाधिक लाभ अर्जित करने वाले 08 प्रगतिशील कीटपालकों को प्रशस्ति पत्र व शॉल देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में गोरखपुर से सत्य प्रकाश सिंह एवं ब्रम्हदेव, गोण्डा से रेनू एवं ठकुराईन वर्मा, लखीमपुर से रामचन्द्र एवं कृष्ण कुमार तथा बहराइच से साहब दयाल एवं मालती शामिल रहे।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 540 दिनों की समयावधि मे पूर्ण होने वाली परियोजनाएं मात्र 200 दिनों में हुईं क्रियाशील

खाद्य प्रसंस्करण नीति : 2023 से निवेश व रोजगार को नई गति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल मार्गदर्शन मे उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तेजी से एक प्रमुख औद्योगिक हब के रूप में विकसित हो रहा है। यूपी की खाद्य प्रसंस्करण नीति से निवेश, रोजगार और निर्यात को नई रफ्तार मिल रही है।प्रदेश सरकार द्वारा लागू उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 का उद्देश्य राज्य में निवेश, रोजगार और निर्यात को प्रोत्साहित करते हुए किसानों की आय में वृद्धि करना है। उप मुख्यमंत्री के नेतृत्व व निर्देशन मे खाद्य प्रसंस्करण विभाग, खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे सुदृढ़ नीति एवं पारदर्शी व्यवस्था के साथ आगे बढ़ रहा है। कृषि उत्पादन आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन एवं राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति (एसएलईसी) के अध्यक्ष श्री दीपक कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति- 2023 के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति की 20वीं बैठक कृषि उत्पादन आयुक्त, के कार्यालय सभागार मे सम्पन्न हुई।

- **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 से उत्तर प्रदेश बना निवेशकों की पहली पसंद**
- **किसानों की आय वृद्धि और स्टार्ट-अप को मिल रहा सशक्त समर्थन**
- **पीएमएफएमई क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने स्थापित किए नए कीर्तिमान**

540 परियोजनाओं को एसएलईसी द्वारा स्वीकृति प्रदान

बैठक मे अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, श्री बी एल मीणा द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत 18 जून, 2026 तक कुल 1759 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 540 परियोजनाओं को एसएलईसी द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। मार्च 2026 तक स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या 501 थी, जो बढ़कर 540 हो गई है। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि पूर्व में लेटर ऑफ कम्फर्ट (LOC) जारी करने में 60 से 70 दिन का समय लगता था, जो वर्तमान में 25 से 27 दिन हो गया है।

समयबद्ध एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश

राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन, निवेश आकर्षित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन का प्रभावी माध्यम बन रही है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निवेशकों को समयबद्ध एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उत्तर प्रदेश शीघ्र ही देश का अग्रणी निवेश गंतव्य बनकर उभरेगा तथा किसानों, उद्यमियों एवं युवाओं को इसका व्यापक लाभ प्राप्त होगा। चर्चा के मध्य अध्यक्ष महोदय द्वारा समिति के सदय / आई.आई.ए. के वाईस प्रेसिडेंट से यह अपेक्षा की गयी कि प्रदेश के पूर्वांचल जनपदों की प्रतिभागिता को बढ़ाने के भरपूर प्रयास किए जाय ।

यूपी के 29 पीसीएस अफसर आईएएस बने

तमसा संकेत, एजेंसी

- **जल्द नई तैनाती मिलेगी पेपर लीक की आरोपी रहीं अंजू कटारिया का नाम नहीं**

लखनऊ। यूपी के 29 पीसीएस अफसरों का मंगलवार देर रात प्रमोशन हो गया है। उन्हें IAS बना दिया गया है। प्रमोट होने वाले अफसरों में रेजिडेंट कमिश्नर, विशेष सचिव, अपर आयुक्त, एडीएम, सचिव और कई विकास प्राधिकरणों के अधिकारी शामिल हैं। 2010, 2011, 2012 बैच के कई अधिकारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है।

प्रमोट होने वाले अधिकारियों में आलोक वर्मा, डॉ. विश्राम, पुष्पराज सिंह, विवेक श्रीवास्तव, योगानंद पांडेय, अमित कुमार, डॉ. सुनील कुमार वर्मा, गरिमा स्वरूप और संदीप कुमार समेत कई नाम शामिल हैं। इस फैसले से कई जिलों, मंडलों और विभागों में प्रशासनिक स्तर पर बदलाव होगा। प्रमोट हुए अफसरों को उनके पदों पर जल्द नई जिम्मेदारियां सौंपी जाएगी। प्रमोट होने वाले अफसरों की लिस्ट में पेपर लीक मामले में जेल जा चुकीं 2002 बैच की अंजू कटारिया का नाम नहीं हैं। 1997 बैच के हरिश चन्द्र, 1999 बैच के प्रभूनाथ, 2004 बैच के अमर पाल सिंह, 2008 बैच के आलोक वर्मा, डॉ. वैभव शर्मा और 2012 बैच के विश्वभूषण मिश्रा का नाम भी लिस्ट में नहीं है। आदेश आने से पहले इनका प्रमोशन पक्का माना जा रहा था।

संकल्प : मुख्यमंत्री योगी के आह्वान पर नन्हे-मुन्नों का रोली-तिलक और पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सहारनपुर से स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ कर प्रदेश में शत-प्रतिशत नामांकन के संकल्प को नई गति दी। मुख्यमंत्री के आह्वान के साथ ही उत्तर प्रदेश के लगभग 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों में नए शैक्षिक सत्र का उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ। विद्यालय पहुंचे नन्हे विद्यार्थियों का रोली-चंदन का तिलक लगाकर, पुष्पवर्षा, स्वागत गीतों और तालियों की गूंज के बीच आत्मीय अभिनंदन किया गया। प्रवेशोत्सव के माध्यम से बच्चों और अभिभावकों के लिए विद्यालयों में उत्सव जैसा वातावरण तैयार किया गया, जिससे नए सत्र की शुरुआत उत्साह और आत्मीयता के साथ हो सके। अभियान के दूसरे चरण में विद्यालय से बाहर बच्चों की पहचान, उनका नामांकन, ड्रॉपआउट बच्चों की पुनर्वापसी तथा नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया जाएगा। नए शैक्षिक सत्र के साथ शुरू हुआ यह अभियान उसी संकल्प को धरातल पर साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री के स्कूल अभियान के शुभारंभ के साथ ही सभी जनपदों के परिषदीय विद्यालयों में प्रवेशोत्सव आयोजित किए गए। शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, विद्यालय प्रबंधन समितियों, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से बच्चों का स्वागत किया गया। अनेक विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रेरक गतिविधियां, पौधरोपण, पुस्तक वितरण और परिचय सत्र आयोजित किए गए। जिससे बच्चों का विद्यालय से भावनात्मक जुड़ाव मजबूत हो सके।

> प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य केवल नामांकन बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, प्रेरक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका है और उत्तर प्रदेश का बेसिक शिक्षा विभाग इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों में हुआ भव्य प्रवेशोत्सव

- **बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह बोले- हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना योगी सरकार की प्राथमिकता**
- **शत-प्रतिशत नामांकन, ड्रॉपआउट बच्चों की वापसी और नियमित उपस्थिति पर रहेगा विशेष फोकस**

खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध उर्वरकों की कालाबाजारी

ओवर रेटिंग और जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सरकार की सख्त कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार वर्तमान खरीफ सीजन में फसलों की बुवाई व रोपाई हेतु किसानों को पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। इसके लिए सरकार भारत सरकार के निरंतर संपर्क में रहकर आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

वर्तमान में प्रदेश में 15.66 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 5.28 लाख मीट्रिक टन डी०ए०पी०, 4.98 लाख मीट्रिक टन एन०पी०के०, 3.97 लाख मीट्रिक टन एस०एस०पी० एवं 1.14 लाख मीट्रिक टन एम०ओ०पी० उपलब्ध है। सहकारिता क्षेत्र में 6.04 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 2.89 लाख मीट्रिक टन डी०ए०पी० व 1.60 लाख मीट्रिक टन एन०पी०के० तथा निजी क्षेत्र में 9.61 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 2.39 लाख मीट्रिक टन डी०ए०पी० व 3.38 लाख मीट्रिक टन एन०पी०के० मौजूद है। वर्तमान में प्रतिदिन औसत 15,251 मीट्रिक टन यूरिया, 3,141 मीट्रिक टन डी०ए०पी० एवं 1,094 मीट्रिक टन एन०पी०के० की खपत किसानों द्वारा की जा रही है।

मण्डलवार उपलब्धता के तहत लखनऊ में सर्वाधिक 1,68,813 मीट्रिक टन यूरिया, 51,728 मीट्रिक टन डी०ए०पी० और 58,897 मीट्रिक टन एन०पी०के० उपलब्ध है। इसके अलावा बरेली में 1,34,275, कानपुर में 1,22,456 तथा प्रयागराज में 1,19,656 मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक है। आगरा मण्डल में 40,046 मीट्रिक टन डी०ए०पी० और कानपुर में 62,009 मीट्रिक टन एन०पी०के० मौजूद है। सहारनपुर, मेरठ, अलीगढ़, मुरादाबाद, झाँसी, चित्रकूट, वाराणसी, मिर्जापुर, आजमगढ़, गोरखपुर, बस्ती, देवीपाटन और अयोध्या मण्डलों के सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में भी पर्याप्त खाद आरक्षित है। सरकार ने किसानों से अपनी कृषित भूमि या बैनामा के अनुसार शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री कराने का अनुरोध किया है ताकि फसलों की आवश्यकतानुसार सुगमतापूर्वक उर्वरक मिल सके।

अधिवक्ता पर कथित चाकू हमले के बाद भड़का गुस्सा, गिरफ्तारी और निलंबन की मांग पर प्रदर्शन

चंदौली तहसील में उबाल

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

चंदौली। चंदौली के सकलडीहा तहसील परिसर में बुधवार को अधिवक्ताओं का गुस्सा सड़क पर दिखाई दिया। एक अधिवक्ता पर कथित चाकू हमले के आरोपी राजस्व लिपिक की गिरफ्तारी और निलंबन की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने जुलूस निकाला, नारेबाजी की और तहसील गेट पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं होना सवाल खड़े करता है। सोमवार को बढ़ते तनाव के बीच एसडीएम कुंदन राज कपूर ने हस्तक्षेप कर स्थिति को संभाला था। इसके बाद घायल

अधिवक्ता उपेन्द्र नारायण सिंह की तहरीर के आधार पर आरोपी राजस्व लिपिक के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित चार गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। अधिवक्ता पक्ष का आरोप है कि विवाद के दौरान राजस्व लिपिक ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे अधिवक्ता के चेहरे पर गंभीर चोट आई।

> घटना के बाद घायल अधिवक्ता को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी फैलते ही तहसील परिसर में बड़ी संख्या में अधिवक्ता एकत्र हो गए और विरोध शुरू हो गया।

पत्रावली को लेकर शुरू हुआ विवाद, हमले तक पहुंचा मामला

मामला बीते सोमवार का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, तहसीलदार के प्रभारी राजस्व लिपिक साकिब अर्सलान और अधिवक्ता उवेन्द्र नारायण के बीच 38(2) की पत्रावली को लेकर विवाद हो गया। अधिवक्ता पक्ष का आरोप है कि विवाद के दौरान राजस्व लिपिक ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे अधिवक्ता के चेहरे पर गंभीर चोट आई।

अधिवक्ताओं ने उठाए कार्रवाई पर सवाल

वरिष्ठ अधिवक्ता अतुल तिवारी ने कहा कि इतने गंभीर आरोपों में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपी की गिरफ्तारी और निलंबन नहीं किया गया।

उन्होंने इसे प्रशासनिक उदासीनता बताते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की। बुधवार को तहसील खुलते ही अधिवक्ता फिर विरोध पर उतर आए।

उन्होंने जुलूस निकालकर तहसील गेट पर प्रदर्शन किया और आरोपी राजस्व लिपिक की तत्काल गिरफ्तारी तथा निलंबन की मांग की।

चेतावनी: कार्रवाई नहीं हुई तो होगा बड़ा आंदोलन

अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन में जनार्दन मिश्रा, अतुल तिवारी, रामराज यादव, संतोष सिंह, विजय सिंह, दुर्गेश सिंह, राजकुमार सिंह, आनंद सिंह, शिवगोबिंद सिंह, सचिदानंद सिंह, सुरेन्द्रकांत मिश्रा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

हरदोई में टेट परीक्षा को लेकर सुरक्षा चाक-चौबंद

10 केंद्रों पर 20 हजार से अधिक अभ्यर्थी देंगे एग्जाम

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की प्रशासनिक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। यह परीक्षा 2, 3 और 4 जुलाई को आयोजित की जाएगी। जनपद के 10 प्रमुख विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है, जहां कुल 20,880 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

प्रशासन ने परीक्षा को शुचितापूर्ण और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए विस्तृत योजना तैयार की है। 2 और 3 जुलाई को परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से और दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगी। 4

जुलाई को परीक्षा केवल एक पाली में आयोजित की जाएगी। प्रत्येक पाली में 4,176 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है।

परीक्षा के लिए बनाए गए 10 केंद्रों में राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, आर्यकन्या पाठशाला इंटर कॉलेज, वेणी माधव बालिका इंटर कॉलेज, आरआर इंटर कॉलेज, गंगादेवी इंटर कॉलेज, सीएसएनपीजी कॉलेज, महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आर्य कन्या महाविद्यालय और राजकीय पॉलिटेक्निक शामिल हैं। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने निष्पक्ष, पारदर्शी और नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

यह परीक्षा परिषदीय विद्यालयों में शिक्षक बनने के लिए एक अनिवार्य पात्रता है।

प्रशासन का लक्ष्य है कि परीक्षा बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक संपन्न हो।

फास्ट न्यूज

अज्ञात वाहन ने कोरियर बॉय को कुचला

हरदोई। हरदोई में एक सड़क हादसे में 32 वर्षीय कोरियर बॉय कुलदीप श्रीवास्तव की मौत हो गई। बघौली थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी थी, जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मंगलवार की रात 9 :37 बजे मृत घोषित कर दिया। बुधवार की दोपहर शव का पोस्टमार्टम हुआ। जानकारी के अनुसार, कुलदीप श्रीवास्तव बघौली थाना क्षेत्र के उद्धन पुरवा निवासी थे।

जेठ ने भाभी को सड़क पर चप्पलों से पीटा

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के शिवगढ़ थाना क्षेत्र के असरवन गांव में एक व्यक्ति द्वारा अपनी भाभी को सड़क पर चप्पलों से पीटने का मामला सामने आया है। जहां स्थानीय लोगों की भीड़ सामने तमाशा देख रही। लेकिन किसी ने भी मामले में बीच बचाव का प्रयास नहीं किया। बुधवार को इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, यह घटना 28 जून को शाम पांच बजे हुई थी। पीड़िता शहनाज, जो शरीफ की पत्नी हैं, अपने घर के दरवाजे पर बैठी थीं।

सुल्तानपुर में मानसून की एंट्री, 20.7 मिमी बारिश

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में बुधवार दोपहर को पखवारे भर बाद मौसम ने करवट ली। शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में आधे घंटे तक जमकर बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से आंशिक राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, दोपहर में 20.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस बरसात से ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों के चेहरे पर खुशी दिखी। कई जगहों पर किसान छाता लेकर अपने खेतों में धान लगाते हुए नजर आए।

बाराबंकी में अधिवक्ता से मारपीट का आरोप

होटल संचालक समेत 8-10 लोगों पर मुकदमा दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के बदोसराय कस्बे में एक अधिवक्ता के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने बालाजी होटल के मालिक सहित 8 से 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अमरा देवी निवासी अधिवक्ता सुनील कुमार अवस्थी ने बदोसराय कोतवाली में तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे वह विकास मौर्या की दुकान पर अपनी गाड़ी की मरम्मत करा रहे थे।अधिवक्ता सुनील अवस्थी का आरोप है कि इसी दौरान बालाजी होटल का मालिक अरविंद सोनी, अपने 8 से 10 कर्मचारियों के साथ डंडा-लाठी लेकर मौके पर

पहुंचा। आरोपियों ने उन पर हमला कर मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आईं। साथ ही गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित अधिवक्ता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली प्रभारी रामअवतार सरोज ने बताया कि मारपीट के इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और प्रकरण की जांच जारी है। वायरल वीडियो सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विशेष संचारी रोग अभियान शुरू

बच्चों ने रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले में बारिश के मौसम के दौरान बढ़ने वाले संचारी रोगों की रोकथाम और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला अस्पताल परिसर से अभियान की शुरुआत हुई, जहां स्वास्थ्य विभाग की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर स्वच्छता अपनाने और बीमारियों से बचाव का संदेश दिया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने लोगों से कहा कि यदि किसी व्यक्ति को लगातार बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द या अन्य संचारी रोगों के लक्षण दिखाई दें तो बिना देरी किए चिकित्सक से संपर्क करें।

पूरे जिले में चलेंगी व्यापक स्वास्थ्य गतिविधियां

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत जिले भर में कई स्तरों पर गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इनमें सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था को मजबूत करना, फॉगिंग कराना, एंटी-लार्वा दवाओं का छिड़काव करना और लोगों को संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना शामिल है। विभाग की ओर से लगातार निगरानी भी की जाएगी ताकि रोगों के फैलाव को समय रहते नियंत्रित किया जा सके।

जलभराव से बढ़ते हैं डेंगू और मलेरिया का खतरा

रैली के दौरान बच्चों ने लोगों को जलभराव से होने वाले खतरों के प्रति भी जागरूक किया। उन्होंने बताया कि घरों और आसपास पानी जमा होने से मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बच्चों ने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों की छतों, कूलरों, गमलों और अन्य स्थानों पर पानी जमा न होने दें तथा नियमित रूप से सफाई करते रहें।

> **अभियान के शुभारंभ के बाद निकाली गई जागरूकता रैली में विभिन्न विद्यालयों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों के हाथों में संचारी रोगों से बचाव, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े संदेश लिखी तख्तियां थीं। रैली के दौरान छात्र-छात्राओं ने नारे लगाकर लोगों से अपने घरों, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। बच्चों ने बताया कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ समाज की सबसे बड़ी पहचान है।**

नवीन गंगा पुल परियोजना- चार और मकान ध्वस्त

उन्नाव। उन्नाव के शुक्लागंज में नवीन गंगा पुल निर्माण परियोजना के तहत अधिग्रहित भवनों को हटाने की कार्रवाई बुधवार को भी जारी रही। राज्य सेतु निगम और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने मिश्रा कॉलोनी में चार और मकानों को ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही, इस परियोजना के तहत अब तक कुल 24 भवनों पर कार्रवाई की जा चुकी है। बुधवार को राज्य सेतु निगम के जेई कुंदन और नेतुआ क्षेत्र के लेखपाल प्रशांत अवस्थी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पोकलैंड मशीन की सहायता से चिन्हित किए गए चार मकानों को कुछ ही समय में जमींदोज कर दिया गया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही।अधिकारियों ने बताया कि ध्वस्तीकरण की यह कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई और किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई।

सपा कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाया

उन्नाव में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 53वां जन्मदिन बुधवार को उन्नाव जिले में मनाया गया। इस अवसर पर सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिले के वरिष्ठ सपा नेता और पूर्व जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला ने अपने साथियों के साथ बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करने के साथ हुई। इसके बाद सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केक काटकर अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाया। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। इस

अवसर पर कार्यकर्ताओं ने लोगों के बीच फल वितरण भी किया। नेताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा समाज के सभी वर्गों के हितों और अधिकारों के लिए काम करती रही है। उन्होंने अखिलेश यादव के नेतृत्व और उनके कार्यों की सराहना करते हुए उनके दीर्घायु होने की कामना की। पूर्व जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश यादव ने प्रदेश के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए। शुक्ला ने यह भी कहा कि समाजवादी विचारधारा गरीबों, किसानों, युवाओं और वंचित वर्गों के हितों को प्राथमिकता देती है। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी को मजबूत करने और आगामी समय में संगठन को और सक्रिय बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को जनता तक पहुंचाने का भी वादा किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सपा नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए, जिन्होंने आपसी एकजुटता का संदेश दिया और अखिलेश यादव के स्वस्थ एवं लंबी आयु की कामना की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जन्मदिन केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि समाज सेवा और जनकल्याण के संकल्प को दोहराने का भी अवसर है।

उन्नाव में टीईटी परीक्षा की तैयारियां पूरी

उन्नाव। उन्नाव में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को शांतिपूर्ण और नकलविहीन संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह परीक्षा शहर के सात केंद्रों पर 2, 3 और 4 जुलाई को आयोजित की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है, जिसमें सीसीटीवी निगरानी और भारी पुलिस बल की तैनाती शामिल है।

परीक्षा केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं, जो हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। केंद्र व्यवस्थापकों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। टीईटी परीक्षा 2 और 3 जुलाई को दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। 4 जुलाई को परीक्षा केवल एक पाली में सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

स्कूली वाहनों की सुरक्षा के लिए 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान

बिना फिटनेस-परमिट वाले वाहनों पर होगी कार्रवाई, 15 जुलाई तक चलेगा अभियान

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग ने 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट और सुरक्षा मानकों की गहन जांच की जाएगी। यह अभियान बुधवार से 15 जुलाई तक चलेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित यात्रा प्रदान करना और नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। लखनऊ के आरटीओ प्रवर्तन प्रभात पाण्डेय ने बताया कि स्कूली वाहनों की फिटनेस और परमिट को अपडेट कराने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को देश का भविष्य मानते हुए उनकी

सुरक्षा के लिए इस पहल को 'मिशन सेफ फ्यूचर' नाम दिया गया है। पाण्डेय ने यह भी बताया कि अप्रैल और मई माह में भी सभी जिलों में स्कूली वाहनों को लेकर इसी तरह का अभियान चलाया गया था। जून में स्कूलों की छुट्टियां होने के कारण इसे रोक दिया गया था, लेकिन अब 1 जुलाई से स्कूल खुलने के बाद अभियान को दोबारा शुरू किया गया है। आरटीओ के अनुसार, अभियान को दो चरणों में संचालित किया जाएगा। पहले चरण में, 1 जुलाई से 7 जुलाई तक उन विद्यालयों से संपर्क किया जाएगा जिनके वाहनों के परमिट या फिटनेस समाप्त हो चुके हैं। ऐसे स्कूलों को नोटिस जारी कर और फोन के माध्यम से जानकारी देकर आवश्यक दस्तावेज पूरे कराने के लिए कहा जाएगा। दूसरे चरण में, 8 जुलाई से 15 जुलाई तक एक संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। इसमें परिवहन विभाग, पुलिस और शिक्षा विभाग की टीमें मिलकर कार्रवाई करेंगी। यदि इस अवधि में कोई वाहन बिना फिटनेस या परमिट के सड़क पर चलता पाया गया, तो उसे जब्त कर चालान किया जाएगा। साथ ही, संबंधित स्कूलों के खिलाफ शिक्षा विभाग के माध्यम से मान्यता रद्द करने की सिफारिश भी की जा सकती है।

घटना : बाराबंकी में भाभी की बहन को भगाकर ले गया था, बाइक से घर जा रहा था, 12 मीटर घिसटे

प्रेमी-प्रेमिका को टैंकर ने रौंदा, युवक की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में अपनी भाभी की बहन को भगा ले जाने के बाद उसे वापस घर छोड़ने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना बुधवार सुबह करीब 8 बजे हुई, जब युवक बाइक से अपनी प्रेमिका को उसके घर बहराइच छोड़ने जा रहा था।

तभी जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर रामनगर थाना क्षेत्र में बहराइच–रामनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक मोड़ पर टैंकर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक समेत टैंकर के बंपर के नीचे फंस गए और करीब 12 मीटर तक घिसटते चले गए। युवती तो छिटककर दूर जा गिरी, लेकिन युवक पहिए के नीचे आकर कुचल गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। युवती गंभीर रूप

> **टक्कर के बाद दोनों बाइक समेत टैंकर के बंपर के नीचे फंस गए और करीब 12 मीटर तक घिसटते चले गए। इसी दौरान अनिकेत पहिए के नीचे आकर कुचल गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। टैंकर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने संतोषी को रामनगर सीएचसी पहुंचाया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।**

मृतक, अनिकेत

से घायल हो गई। उसकी आज ही शादी होनी थी। चार दिन पहले वह अपने जीजा के छोटे भाई अनिकेत के साथ घर से चली गई थी।

फिलहाल, दुल्हन के घायल होने के बाद परिजनों ने उसके होने वाले दूल्हे का विवाह उसकी छोटी बहन से तय कर दिया है। आज रात ही दोनों की शादी होगी। मातम के बीच सादगी के साथ शादी की तैयारियां की जा रही हैं। बहराइच के फखरपुर थाना क्षेत्र के पटूहा गांव निवासी अनिकेत वर्मा (21) शटरिंग का काम करता था। उसका बाराबंकी के रामनगर थाना क्षेत्र के बटुरहा निवासी संतोषी वर्मा (20) से पिछले दो वर्षों से प्रेम संबंध था। अनिकेत के बड़े भाई सोनू की शादी करीब तीन साल पहले संतोषी की बड़ी बहन मंशा देवी से हुई थी। इसी वजह से दोनों परिवार पहले से रिश्तेदार थे। अनिकेत और

संतोषी एक-दूसरे से शादी करना चाहते थे, लेकिन परिवार इसके लिए तैयार नहीं था। करीब तीन महीने पहले संतोषी की शादी घर से 60 किलोमीटर दूर बहराइच के फखरपुर थाना क्षेत्र के पार्लेमिल परसेंडी चीनी मिल निवासी रामशंकर से तय कर दी गई थी।

बड़ा भाई बोलाझ्र हम तो शादी कराने को तैयार थे

मस्तराम ने बताया, “मंगलवार रात अनिकेत, संतोषी को लेकर मेरे घर आया था। मैंने उसे डांटा था और कहा था कि पहले संतोषी को उसके घर छोड़ दो। यह तरीका गलत है। बाद में थाने में बुलाकर तुम दोनों की रजामंदी से शादी करा देंगे।

सब्जी व्यापारी का शव मंदिर में संदिग्ध हालत में मिला

पुलिस ने जांच शुरू की, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के त्रिवेदीगंज क्षेत्र में मदनापुर गांव स्थित इटहेश्वर मंदिर परिसर में एक सब्जी व्यापारी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। बुधवार दोपहर हैंडपंप के पास शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने सूचना मिलते ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान बसंतपुर मजरे तेजवापुर निवासी 30 वर्षीय महेंद्र कुमार चतुर्वेदी के रूप में हुई है। वह सब्जी बेचने का काम करता था। परिजनों ने बताया कि महेंद्र मंगलवार सुबह हैदरगढ़ सब्जी मंडी जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं

लौटा। महेंद्र का शव बुधवार दोपहर करीब एक बजे इटहेश्वर मंदिर के हैंडपंप के पास मिला। मौके पर उसके कपड़े और चप्पल पास में रखे हुए थे। पुलिस के मुताबिक, मृतक के शरीर पर अंडरगारमेंट के अलावा कोई कपड़ा नहीं था। उसके दाहिने हाथ और बाएं पैर पर पुराने चोट के निशान मिले हैं, जबकि दाहिने हाथ से खून निकल रहा था।

लोनीकटरा थाना पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। लोनीकटरा थाना इंस्पेक्टर अभिमन्यु मल्ल ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला किसी हादसे का लग रहा है। हालांकि, मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर गौर करते हुए जांच कर रही है।

सम्पादकीय

व्यर्थ का विरोध पत्र

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के खिलाफ 23 विपक्षी दलों के नेताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखने का औचित्य समझना कठिन है। इस पत्र का एकमात्र उद्देश्य यही जान पड़ता है कि विपक्षी दल येन-केन-प्रकारेण एसआइआर के मुद्दे को हवा देते रहना चाहते हैं, ताकि यह माहौल बनाने में आसानी हो कि चुनाव आयोग एसआइआर की प्रक्रिया के जरिये भाजपा को कथित तौर पर लाभ पहुंचा रहा है। विपक्षी दलों की ओर से यह आरोप तबसे लगाया जा रहा है, जबसे बिहार में एसआइआर कराने का फैसला किया गया।

बिहार में एसआइआर के खिलाफ विपक्षी दलों ने यह कहते हुए आसमान सिर पर उठा लिया कि वोटर लिस्ट से उनके समर्थक मतदाताओं के नाम जानबूझकर काटे जा रहे हैं, लेकिन वे इसके पक्ष में कोई प्रमाण नहीं दे सके। इतना ही नहीं, वे ऐसे मतदाताओं को भी सामने नहीं ला सके, जिनका नाम कथित तौर पर अनुचित तरीके से वोटर लिस्ट से हटा दिया गया था। एसआइआर के खिलाफ विपक्षी दलों के तमाम धरना-प्रदर्शन के बाद भी बिहार के लोगों को यह मुद्दा आकर्षित नहीं कर सका तो इसीलिए कि उन्हें विपक्ष के आरोपों में कोई दम नहीं दिखा।

बिहार विधानसभा के चुनाव नतीजे एसआइआर पर वहां की जनता की राय भी थे, लेकिन विपक्षी दलों ने उसकी अनदेखी कर इस मुद्दे को तूल देना जारी रखा और वोट चोरी को अपना नारा बना लिया। बिहार के बाद चुनाव वाले अन्य राज्यों में भी एसआइआर हुआ, लेकिन विपक्षी दलों को इस प्रक्रिया में खोट केवल बंगाल और असम में दिखी, क्योंकि यहां भाजपा ने जीत हासिल की। केरल और तमिलनाडु में हुए एसआइआर को लेकर वे मौन रहे, क्योंकि यहां के चुनाव नतीजे उनके अनुकूल रहे। विपक्षी दलों ने एसआइआर को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी, लेकिन वे वहां भी यह सिद्ध नहीं कर सके कि इस प्रक्रिया को सही तरीके से संपन्न नहीं किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट में मुंह की खाने के बाद भी विपक्षी दलों को चैन नहीं है। समझना कठिन है कि जिस मामले में सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग के पक्ष में फैसला दे चुका और एसआइआर को उसका संवैधानिक अधिकार बता चुका, उसे लेकर प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखने से क्या हासिल होने वाला है? क्या ऐसा कुछ है कि इस पत्र के आधार पर सुप्रीम कोर्ट एसआइआर पर अपना फैसला बदल देगा? एसआइआर का उद्देश्य मतदाता सूचियों को सही करना है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए ऐसा करना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। आखिर विपक्षी दलों की ओर से इस आवश्यक कार्य का विरोध क्यों किया जा रहा है? ऐसा तो है नहीं कि देश में पहली बार एसआइआर के जरिये मतदाता सूचियों को दुरुस्त किया जा रहा हो। यह काम तो पहले भी होता रहा है।

डर से विश्वास की ओर

हवा के डर से जो उड़ान से पहले सहमा जाते हैं । वही ज़मीन पर गिरतें हैं । हौंसलों के सामने सारी मुश्किलें इम्तिहान से पहले कातर है । हम डर को विश्वास में बदलने का प्रयास करें । डर रिश्तों में दूरी लाता हैं, जबकि विश्वास मन को शांत करता हैं और संबंध को भीतर से मजबूत बनाता हैं । विग्रह गति या अन्तराल गति के द्वारा बहुत ही कम समय में जीव एक गति से दूसरी गति में जाता है । स्थूल शरीर जैसे औदारिक व वेक्रिय शरीर की दृष्टि से वह अशरीरी है । किंतु तैजस व कार्मण शरीर की दृष्टि से वह सशरीर होता है । तैजस व कार्मण शरीर तो आगे भी जाते है । द्रव्य इंद्रियां कान आदि से बिना व भाव , खयोक्षम आदि दृष्टि से वह सइंद्रिय होता है । आगम की भाषा में समय की लघुत्तम इकाई 1,2,3,4 समय अपन आँखों की पलक झपकाते है उसमें बहुत समय चला जाता है उससे भी कम समय यह होता है । साधु , श्रावक त्याग , सम्यक्त्व आदि वाला , सिर्फ सम्यक्तव वाला भी सामान्य देवगति नहीं वह ऊंची वैमानिक देवगति में वह उत्पन्न होगा । सरल भद्र बिना ईर्ष्या आदि वाला बिना धर्म किए अपनी प्रकृति से मनुष्य में वापिस आ सकता है ।झूठ , कपट व बात को झूठ से बोल व ढकने वाला आदि आदमी तिर्यंच पशु आदि की गति का आयुष्य बांध लेता है । एक आदमी निष्ठुर , हिंसा वाला , महापरिग्रह , मांस, प्राणियो को मारने वाला , महाआसक्ति वाला आदमी आदि मरकर के नरक गति का आयुष्य बांध लेता है ।असाथ्ना नहीं हो तो भगवान् महावीर का जीव त्रिपिष्ठ वासुदेव बन गये थे व हिंसा आदि के कारण नरक का आयुष्य बांध लिया । कर्मवाद में पक्षपात नहीं है तीर्थंकर बनने वाले है आदि - आदि इनको भी कोई छूट मिलनी चाहिए । खराब बन्ध 7 वी नरक का लम्बा अधिकतम आयुष्य इन्होंने बांध लिया । वह उस स्थिति में जाकर के भगवान् महावीर की आत्मा पैदा हो गयी । किसी को छूट नहीं है । हिंसा आदि के परिणाम है की आदमी नरक गति का आयुष्य बांध लेता है । जीव आयुष्य सहित आगे जाता है । मोक्ष न मिला तब तक उसका आयुष्य बन्धन होता रहता है परन्तु आदमी यह ध्यान दे की कम से कम खराब गति में न जाना पड़े । दुर्गति नरक व तिर्यंच में तो नहीं जाना पड़े । इसके लिये अपेक्षा है गलत से बचने का प्रयास करे ।

> प्रदीप छाजेड़

दिल्लीः वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

> "समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा।

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है-भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा। दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है। ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा। दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें।

ललित गर्ग

यह भी समझना होगा...

अशोक कुमार झा

वर्दी का अहंकार या कानून का शासन?

लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसके संविधान, न्याय व्यवस्था और कानून के प्रति नागरिकों के विश्वास में निहित होती है। जब कोई आम नागरिक घर से बाहर निकलता है तो उसे भरोसा होता है कि यदि कभी उसके साथ कोई अन्याय होगा तो पुलिस उसकी रक्षा करेगी, अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करेगी और उसके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। लेकिन जब वही पुलिस, जिसे जनता का रक्षक माना जाता है, स्वयं भय, अपमान और उत्पीड़न का कारण बन जाए, तब लोकतंत्र की आत्मा घायल होती है।

भोपाल में डायल-112 वाहन में तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा मंगल लोधी नामक नागरिक के साथ कथित रूप से की गई अभद्रता और मारपीट का मामला इसी प्रकार का गंभीर प्रश्न हमारे सामने खड़ा करता है। यदि उपलब्ध जानकारी सही है तो यह घटना केवल एक व्यक्ति के सम्मान पर हमला नहीं बल्कि कानून के शासन, मानव गरिमा और संवैधानिक मूल्यों पर भी सीधा आघात है। बताया गया कि मंगल लोधी अपनी पत्नी और छोटे बच्चों के साथ यात्रा कर रहे थे। रास्ते में पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका। सत्यापन के नाम पर उनका मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिया गया।

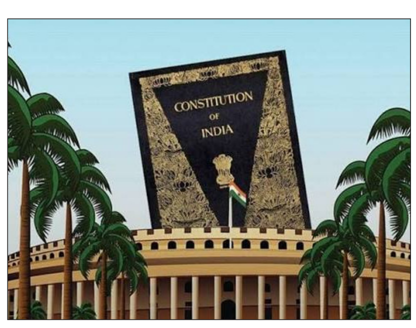

जब उन्होंने अपना मोबाइल वापस मांगा तो स्थिति अचानक विवाद में बदल गई। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें थप्पड़ मारा, कॉलर पकड़कर घसीटा, धक्का दिया और सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। यह सब उनकी पत्नी और बच्चों के सामने हुआ।

किसी भी सभ्य समाज में किसी व्यक्ति का सार्वजनिक अपमान केवल उस व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। उसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। विशेष रूप से तब जब बच्चे अपने पिता को अपमानित होते हुए देखें। एक बच्चे की नजर में उसका पिता उसकी दुनिया का सबसे मजबूत और भरोसेमंद व्यक्ति होता है। जब वही पिता सड़क पर अपमानित होता दिखाई दे, तब बच्चे के मन में केवल भय ही नहीं बल्कि व्यवस्था के प्रति अविश्वास भी जन्म लेता है।

यहाँ सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या पुलिस को किसी भी परिस्थिति में किसी नागरिक के साथ अपमानजनक व्यवहार करने का अधिकार है? कानून का उत्तर स्पष्ट है—नहीं।

हिंदुस्तान का संविधान प्रत्येक नागरिक को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार देता है। संविधान का अनुच्छेद 21 केवल जीवन की रक्षा की बात नहीं करता बल्कि सम्मानपूर्वक जीवन जीने के अधिकार की भी गारंटी देता है। सर्वोच्च न्यायालय भी अनेक अवसरों पर यह स्पष्ट कर चुका है कि पुलिस की शक्तियाँ असीमित नहीं हैं और कानून के नाम पर किसी नागरिक की गरिमा को कुचलने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। दुर्भाग्य से देश के अनेक हिस्सों में समय-समय पर ऐसी घटनाएँ सामने आती रही हैं जहाँ कुछ पुलिसकर्मी स्वयं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं। वर्दी का उद्देश्य सेवा है, शासन नहीं। पुलिस का दायित्व सुरक्षा है, भय पैदा करना नहीं। लेकिन जब वर्दी सेवा की बजाय शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन जाती है, तब जनता और पुलिस के बीच विश्वास की दीवार दरकने लगती है।

यह भी समझना होगा कि अधिकांश पुलिसकर्मी ईमानदारी और कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हैं। वे सीमित संसाधनों, लंबे कार्य घंटों और भारी दबाव के बीच समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसलिए किसी एक घटना के आधार पर पूरी पुलिस व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करना उचित नहीं होगा। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि कुछ व्यक्तियों की अनुचित हरकतें पूरी संस्था की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। डायल-112 जैसी आपातकालीन सेवाएँ नागरिकों की सहायता के लिए बनाई गई हैं। जब कोई व्यक्ति संकट में होता है तो वह इन्हीं सेवाओं पर भरोसा करता है। यदि ऐसी सेवाओं से जुड़े कर्मियों पर ही दुर्व्यवहार के आरोप लगने लगें तो जनता का विश्वास कमजोर होता है। इसलिए इस प्रकार के मामलों में पारदर्शी और निष्पक्ष जांच अत्यंत आवश्यक है। इस घटना का एक महत्वपूर्ण पहलू मानवाधिकारों से भी जुड़ा है। मानवाधिकार केवल बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में चर्चा का विषय नहीं हैं। किसी व्यक्ति को बिना कारण अपमानित न किया जाए, उसके साथ सम्मानजनक व्यवहार हो, उसे अपनी बात रखने का अवसर मिले—ये सभी मानवाधिकारों के मूल तत्व हैं। यदि कोई पुलिसकर्मी अपनी शक्ति का दुरुपयोग करता है तो वह केवल विभागीय नियमों का उल्लंघन नहीं करता, बल्कि मानवाधिकारों का भी हनन करता है।

प्रशासन द्वारा...

अशोक त्रिपाठी

अमेठी में मुख्यमंत्री आवास योजना से संवर रहे गरीबों के आशियाने

किसी भी परिवार के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक घर केवल चार दीवारों का ढांचा नहीं होता, बल्कि यह उसके बेहतर भविष्य, आत्मसम्मान और सामाजिक सुरक्षा की मजबूत बुनियाद होता है। उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार का यह दृढ़ संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहे।

इसी जनकल्याणकारी सोच को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश में 'मुख्यमंत्री आवास योजना' ग्रामीण का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। यह योजना आज प्रदेश के हजारों जरूरतमंद परिवारों के जीवन में खुशियों और उम्मीदों की एक नई रोशनी लेकर आई है। वर्ष 2017 से पूर्व इस प्रकार की कोई विशिष्ट योजना संचालित नहीं थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने ग्रामीण गरीबों की इस बुनियादी समस्या को बेहद गंभीरता से लिया और इस योजना को एक सशक्त और प्रभावी स्वरूप प्रदान किया। इसी कड़ी में जनपद अमेठी में यह योजना ग्रामीण गरीबों, निराश्रित महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा प्राकृतिक एवं दैवीय आपदाओं से प्रभावित परिवारों के लिए एक बड़ा वरदान साबित हो रही है। जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन, प्रभावी क्रियान्वयन और सतत निगरानी के चलते इस योजना का लाभ पात्र लोगों तक पूरी तरह से पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण का मूल उद्देश्य उन परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है जो आर्थिक तंगी के कारण आज भी फूस, टिनशेड या अत्यंत जर्जर एवं कच्चे मकानों में रहने को विवश हैं। बरसात के मौसम में टपकती छतें, गर्मी का असहनीय तापमान और सर्दी के मौसम में सुरक्षा का अभाव इन परिवारों के जीवन को अत्यंत कष्टप्रद बना देता है।

ऐसे में लाचार परिवारों के लिए यह योजना एक सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन की नई शुरुआत बनकर सामने आई है, जिसमें गरीब परिवारों को पात्रता के आधार पर प्राथमिकता के साथ इस योजना से लाभान्वित किया जा रहा है।

अमेठी जिले में शासन और प्रशासन के साझा प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2019-20 से लेकर 2025-26 तक कुल 10,054 पक्के आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। यह संख्या महज कोई सरकारी आंकड़ा भर नहीं है, बल्कि यह उन हजारों परिवारों की मुस्कान, संतुष्टि और खुशहाली का जीवंत प्रतीक है, जिनके जीवन में इस योजना से एक बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है।

प्रशासन द्वारा योजना की प्रगति की निरंतर समीक्षा की जाती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हर एक पात्र लाभार्थी का चयन बिना किसी भेदभाव के हो और स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य तय समय सीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ संपन्न कराया जा सके। विभागीय तंत्र द्वारा फील्ड स्तर पर किए जाने वाले नियमित निरीक्षण, भौतिक सत्यापन और सतत मॉनिटरिंग ने इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की एक नई मिसाल पेश की है। तकनीकी और वित्तीय दृष्टि से भी यह योजना अत्यंत सुदृढ़ और लोक- हितैषी है। इसके तहत घर के निर्माण के लिए सरकार द्वारा पात्र परिवारों को सीधे उनके बैंक खातों में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। मैदानी और पर्वतीय क्षेत्रों के नियमों के अनुसार लगभग 1.20 लाख से 1.30 लाख तक की यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे ट्रांसफर की जाती है।

जरा हटके

वीरता और पराक्रम ...

केवल

पीपीपी मॉडल से प्रदेश के ऐतिहासिक इमारतों का होगा कायाकल्प

उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थित पुरानी इमारतों, किले तथा महलों का कायाकल्प करके देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की शुरूआत की पहल की गई है। प्रदेश में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। इसके तहत पुराने जीर्ण-शीर्ण ऐतिहासिक धरोहरों, किलों को सहेज कर भव्य और आकर्षक रूप दिया जायेगा, जिससे पर्यटकों को किले अथवा राजमहल में ठहरने जैसी अनुभूति प्राप्त हो सके। प्रदेश सरकार एडाप्ट हेरीटेज पॉलिसी के अंतर्गत ऐतिहासिक महत्व के भवनों को संरक्षित रखने के साथ विकास और जनसहभागिता के लिए स्मारक मित्रों का चयन कर रही है। पहले चरण में 05 स्मारकों के लिए स्मारक मित्र चयनित किये गये हैं। दूसरे चरण में 26 स्मारकों के लिए स्मारक मित्र चयन करने की कार्यवाही चल रही है।

वीरता और पराक्रम के प्रतीक प्रदेश के बुन्देलखण्ड सहित कई जनपदों में पुराने किले तथा महल मौजूद हैं। पर्यटन विभाग निजी सहभागिता के आधार पर इनका सौन्दर्यीकरण कराने का निर्णय लिया है। इसको लेकर गत वर्ष किलों/महलों के स्वामियों एवं उनके उत्तराधिकारियों को आमंत्रित कर एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी। इसमें जीर्णोद्धार कार्य में लगे हुए लोगों, विशेषज्ञों तथा निवेशकों को भी शामिल किया गया। प्रदेश के तमाम प्राचीन किले एवं महल जर्जर एवं दयनीय स्थिति में हैं। बढ़ती आबादी, औद्योगीकरण, शहरीकरण एवं विकास संबंधी गतिविधियों के चलते इन ऐतिहासिक सम्पत्तियों के आसपास अतिक्रमण एवं बहुमूल्य सामानों

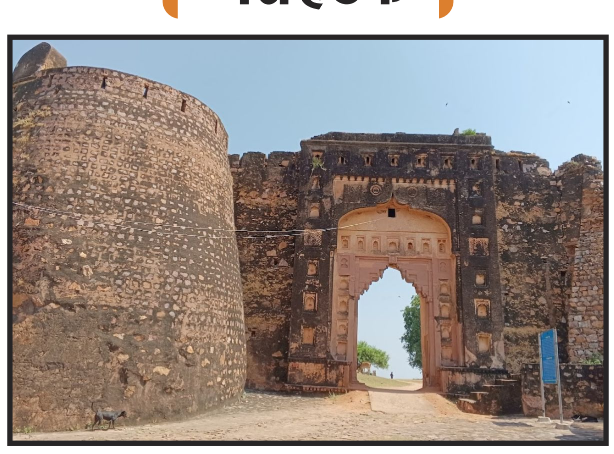

के साथ छेड़छाड़ की भी घटनाएं प्रायः प्रकाश में आती हैं। इन किलों से बहुत-सी कहानियां एवं दन्त कथाएं जुड़ी हुई हैं। इसके अलावा इन किलों का ऐतिहासिक महत्व है। बहुत से किले एवं महल स्थापत्य कला के अद्भुत नमूने हैं। इनको भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित करना जरूरी है।

पर्यटन विभाग इन इमारतों को पीपीपी मॉडल पर विकसित कर पर्यटन गतिविधियां संचालित करेगा। इस कदम से जहां एक ओर इन प्राचीन इमारतों का मौलिक सौन्दर्य वापस लौटेगा। इसके साथ ही इन्हें संरक्षित भी किया जा सकेगा। इसके साथ ही दुर्गम एवं बीहड़ स्थानों पर स्थित होने के कारण कहीं-कहीं अवस्थापना सुविधाओं का अभाव है। इनका विकास होने पर दर्शकों एवं पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के साथ राज्य सरकार को राजस्व भी प्राप्त होगा। इसी को दृष्टिगत रखते हुए पर्यटन विभाग ने राजस्थान की तर्ज पर इन धरोहरों को विकसित करने का निर्णय लिया है।

प्रदेश सरकार इन ऐतिहासिक धरोहरों को हेरिटेज सर्किट में शामिल करके बुनियादी सुविधाओं से लैस करेगी। इनकी मार्केटिंग तथा ब्रान्डिंग के साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार करके अधिक से अधिक देशी-विदेशी सैलानियों को उ०प्र० की ओर आकर्षित किया जायेगा। इससे उ०प्र० में रोजगार के साथ-साथ आमदनी के रास्ते खुलेंगे। प्रदेश में आध्यात्मिक सर्किट पर्यटकों को सर्वाधिक आकर्षित कर रहे है। अयोध्या, काशी, मथुरा, कुशीनगर जैसे स्थल पर्यटकों के लिए पसंदीदा गन्तव्य स्थल के रूप में स्थान बनाये हुए हैं। पीपीपी मॉडल पर पुरानी इमारतों को संवारने के बाद पर्यटकों के लिए घूमने के लिए विकल्प के रूप में नये स्थल प्राप्त होंगे।

उ०प्र० में निवेशकों के लिए पर्यटन नीति-2022 में आकर्षक सुविधाओं के साथ ही सब्सिडी एवं विभिन्न प्रकार की छूट की व्यवस्था की गयी है। उ०प्र० में औद्योगिक एवं पर्यटन संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इन्स्पेक्टर राज और लालफीताशाही को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा बेकार एवं अनुपयोगी कानूनों को भी खत्म किया जा रहा है। वर्ष 2017 के बाद से प्रदेश की स्थिति में व्यापक बदलाव आया है। अब यह बीमारू राज्य के चक्रव्यूह से निकलकर अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में आगे बढ़ रहा है।

राज्य सरकार प्रदेश में उद्योग-धन्धों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार पूरी ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ निवेशकों के साथ खड़ी है। रेल, रोड, सड़क, वायु तथा हेलीपोर्ट एवं अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी विकसित की गई है। यूपी की अर्थव्यवस्था लगातार छलांग लगा रही है। यूपीजीआईएस-23 के दौरान 33 लाख 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। उ०प्र० अब सर्वोत्तम प्रदेश की राह पर चल पड़ा है। इससे उत्तर प्रदेश देश की जीडीपी में अपना योगदान अधिक से अधिक देने में सक्षम होगा। राज्य सरकार ने छतर-मंजिल लखनऊ, चुनारफोर्ट मिर्जापुर, बरुआसागर फोर्ट झांसी, कोठी गुलिस्ताने एरम, कोठी दर्शन विलास, कोठी रोशन उद्दौला, लखनऊ, बरसाना जलमहल मथुरा, शुक्ला तालाब कानपुर देहात, टिकैतराय बारादरी कानपुर सिटी, बुन्देलखण्ड की कुछ सम्पत्तियों-तहरोली फोर्ट झांसी, चिरगॉव फोर्ट झांसी, मडवारा फोर्ट, मस्तानी महल सलारपुर, सेनापति भवन आदि को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने के लिए चिन्हित किया है। इन इमारतों का कायाकल्प होने से पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी। प्राचीन स्मारक हमारे गौरवशाली इतिहास और समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं। इनको संरक्षित, संवर्धित करके बचाये रखना है।

मां-बेटी, नाना-नातिन की जान गई, डिवाइडर तोड़ते हुए बस ने अर्टिगा को मारी टक्कर

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हादसा, 5 लोगों की मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तड़के साढ़े 4 बजे स्लीपर बस ने अर्टिगा कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें 2 बच्चियां हैं।

बस हरियाणा से बिहार जबकि कार लखनऊ से आगरा जा रही थी। यानी, दोनों गाड़ियां अलग-अलग लेन में थीं। तेज रफ्तार बस बेकाबू हो गई। डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में कार को टक्कर मारी और एक्सप्रेस-वे से नीचे गिरकर पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे

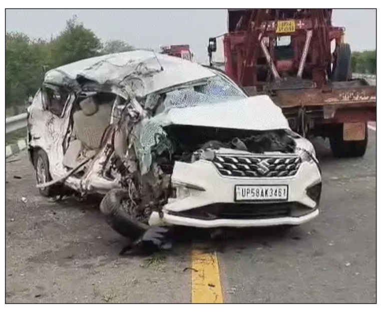

उड़ गए। कार करीब 20 फीट तक घिसटती चली गई। चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। रेस्क्यू शुरू किया। बस की खिड़की के शीशे तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

हादसा जिला मुख्यालय से 65 किमी. दूर बांगरमऊ में हुआ। सीओ बांगरमऊ हर्ष मोदी ने बताया कि बस में 70 और कार में 9 लोग थे।

हादसे की सूचना पर संत कबीर नगर से विनोद उन्नाव पहुंचे। उन्होंने बताया- हादसे में मेरी पत्नी अंजू और बेटी अमृता की मौत हुई है। जबकि घायल आर्यन मेरा पड़ोसी है। आर्यन की बहन दिव्या और नाना धुनमुन की भी जान गई है। मंगलवार की शाम को कार चालक विनोद ने वृंदावन घूमने का प्लान बनाया था। वो अपने बड़े भाई सतेंद्र की अर्टिगा कार लेकर रवाना हुए थे।

कार सवार 4 और बस सवार 8 लोग घायल हैं। हादसे में कार चालक विनोद (45), भुनमुन (60), उनकी नातिन दिव्या (13), अंजू (40) और उनकी बेटी अमृता (6) की मौत हो गई।

खंती में गिरी बस को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया।

घायल आर्यन बोला- हम लोग वृंदावन जा रहे थे

हादसे में घायल आर्यन ने बताया- हम संत कबीरनगर के बढ़या बाबू गांव के रहने वाले हैं। कार से वृंदावन घूमने जा रहे थे। पड़ोस में रहने वाले रिश्ते में चाचा विनोद की कार से मंगलवार रात करीब 8 बजे निकले थे। लखनऊ में थोड़ी देर रुकने के बाद आगरा एक्सप्रेस वे पर चढ़े। सुबह बस ने हमारी कार को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि हादसे में बस सवार 8 लोग घायल हैं। इनमें 7 नालंदा के रहने वाले हैं। इनके नाम अन्नू देवी (78), सूरज (18), पवन कुमार (15), आनंदी (15), प्रमोद (25), शंकर माझी (25), खुशबू (14) हैं। इसके अलावा, हरियाणा के फरीदाबाद के मोहित (34) भी घायल हैं।

कार सवार घायल आर्यन ने बताया हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई।

100 की स्पीड में थी बस

पुलिस के मुताबिक, बाबा ट्रैवलर की स्लीपर बस हरियाणा के झज्जर से बिहार के नालंदा जा रही थी। बस का नंबर- BR 06 PF 1024 था। जबकि कार संतकबीर नगर की है।

उसका नंबर- UP 58 AK 3461 है। बस की स्पीड 100 के करीब थी। हादसे की सूचना मिलते ही डीएम घनश्याम मीना, एसपी जय प्रकाश सिंह ने घटनास्थल पर पहुंच हालात का जायजा लिया।

पड़ोस के आर्यन को इसका पता चला तो वो अपनी मां प्रिया, बहन अपराजिता और दिव्या के साथ चलने को तैयार हो गया था।

उन्नाव में फैक्ट्री कर्मी ने फांसी लगाकर जान दी

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत, पुलिस ने जांच शुरू की

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र के जामुल गांव में बुधवार सुबह एक फैक्ट्री कर्मी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 42 वर्षीय सर्वेश कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, जामुल गांव निवासी सर्वेश कुमार दही थाना क्षेत्र की एक निजी फैक्ट्री में कार्यरत थे। बुधवार सुबह करीब 9 बजे उनका शव घर में ही फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। परिजनों ने तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी। अचलगंज थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और पंचनामा की कार्रवाई की। सर्वेश कुमार अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए निजी

फैक्ट्री में नौकरी करते थे। उनके परिवार में पत्नी रेनू, दो बेटे और एक बेटी हैं। इस अचानक हुई घटना से परिवार सदमे में है। हालांकि, फांसी लगाने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। थानाध्यक्ष सुब्रत नारायण ने बताया कि पुलिस परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर घटना के पीछे के कारणों का पता लगा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, सर्वेश का व्यवहार सामान्य था।

फास्ट न्यूज

रामपुर की रामनाथ कॉलोनी में 12 घंटे से बिजली गुल

रामपुर। रामपुर शहर की रामनाथ कॉलोनी में बुधवार को 12 घंटे से अधिक समय तक बिजली आपूर्ति ठप रही। सुबह करीब सात बजे से गुल हुई बिजली देर शाम तक बहाल नहीं हो सकी, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उपभोक्ताओं ने शिकायत के बावजूद बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

जौनपुर कलेक्ट्रेट में जन सुविधा केंद्र शुरू

जौनपुर। जौनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को जन सुविधा केंद्र का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. और पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने शाम 4 बजे फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य आमजन की शिकायतों का त्वरित पंजीकरण और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करना है। जिलाधिकारी ने बताया कि यह केंद्र आमजन और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करेगा। यहां प्राप्त होने वाली शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएगा।

सकलडीहा में अनियंत्रित बाइक गड्ढे में पलटी

चंदौली। चंदौली के सकलडीहा में एक सड़क दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। बुधवार को चतुर्भुजपुर-भोजापुर मार्ग पर उनकी अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। घायलों को सकलडीहा सीएचसी ले जाया गया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। यह घटना बुधवार को हुई। दिवाकरपुर गांव निवासी आकाश बिंद (20) अपने साथी मुकेश बिंद (17) के साथ गांव से भोजापुर की ओर जा रहे थे।

12वीं पास रोहित अवैध किडनी ट्रांसप्लांट गिरोह का सरगना

आहूजा दंपति गैंग के मेंबर, 1000 पन्नों की चार्जशीट में 40 गवाह बनाए

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में किडनी ट्रांसप्लांट मामले में 14 आरोपियों के खिलाफ रावतपुर पुलिस ने एक हजार पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की है। हालांकि पुलिस ने चार्जशीट कब दाखिल की गई यह नहीं बताया लेकिन मामला मंगलवार रात साढ़े 11 बजे के बाद सामने आया है। चार्जशीट में मुजफ्फर नगर की रेसीपिएंट पारुल तोमर, डोनर आयुष कुमार चौधरी, एसीएमओ रमित रस्तोगी, हैलट अस्पताल व लखनऊ के राममनोहर लोहिया हॉस्पिटल के कुल 10 डॉक्टरों समेत 40 लोगों को गवाह बनाया गया है। वहीं पुलिस ने मुकदमें में संगठित गिरोह की धाराएं बढ़ाई है। गिरोह का सरगना इंटर पास रोहित तिवारी को बनाया गया

है, जबकि डॉ. प्रीति आहूजा उनके पति डॉ. सुरजीत आहूजा समेत अन्य लोग गैंग मेंबर बनाए गए है। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि पूरे मामले की इन्वेस्टिगेशन रावतपुर थाने में तैनात दरोगा मनोज कुमार विश्वकर्मा कर रहे थे। डॉक्टर दंपत्ति प्रीति आहूजा, सुरजीत आहूजा समेत 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि ओटी टेक्नीशियन मुदस्सर अली सिद्दीकी उर्फ डॉ. अली ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। वहीं पारूल तोमर की किडनी ट्रांसप्लांट में 22 लाख रुपए लेकर नोटों की गड्डियों पर लेटने वाले डॉ अफजाल ने हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत ले ली थी। पुलिस ने उसके खिलाफ भी आरोप पत्र दाखिल किया है। कानपुर के रावतपुर के केशवपुरम स्थित आहूजा हॉस्पिटल में 29 मार्च को अवैध तरीके से किडनी ट्रांसप्लांट का मामला सामने आया था। कल्याणपुर के मेडलाइफ हॉस्पिटल में बिहार, बेंगूसराय का डोनर आयुष कुमार चौधरी और प्रिया अस्पताल के डीलक्स रूम में मुजफ्फर नगर की पारुल तोमर भर्ती मिली थी। 23 साल के आयुष से उसकी किडनी 6 लाख रुपए में खरीदी गई थी। बाद में महिला मरीज प्रिया तोमर को करीब 80 लाख रुपए में बेच दी गई थी। किडनी देने वाले छात्र ने ही पुलिस से शिकायत की थी।

बीच सड़क भाभी की चप्पलों से पिटाई

20 सेकेंड में मारे 10 थप्पड़, बेहोश होकर सड़क पर गिरी, देवर समेत 2 अरेस्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के गुजैनी थाना क्षेत्र में पति व तीन की बेटी संग ससुराल में रहने गई विवाहिता को देवर व उसके दोस्त ने बीच सड़क पर चप्पलों से पिटाई कर कपड़े फाड़ दिए। बुधवार दोपहर 3 बजे घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें 20 सेकेंड आरोपियों ने 8 चप्पल और 10 थप्पड़ महिला व उसके पति को जड़े, मारपीट के दौरान उनकी तीन साल की बेटी भी चुटहिल हो गई। बेरहमी से पिटाई के बाद महिला बेसुध होकर बीच सड़क पर गिर पड़ी। पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस से की। कानपुर देहात निवासी महिला ने बताया कि उनकी 15 साल पहले उनकी शादी बर्रा–8 निवासी फर्नीचर कारीगर से हुई थी। महिला के मुताबिक ससुराल के पास रहने वाला संदीप सचान उन

पर बुरी नजर रखता था, विरोध करने पर आए दिन ससुरालीजनों से झगड़ा होता था। जिस पर वह डेढ़ साल पहले ससुराल छोड़ कर किराए के मकान में रहने चली गई थीं। बताया कि 15 दिनों से पति बीमार चल रहे थे, जिस पर वह ससुराल में रहने के लिए मंगलवार करीब 2 बजे पति व तीन साल की बेटी के साथ गई थीं, जिसका ससुरालीजनों ने विरोध किया। इस दौरान देवर व इलाके में रहने वाले हेमंत सचान ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर उनके कपड़े फाड़ कर घर से निकाल दिया। पीड़िता के मुताबिक वह पति व बेटी के साथ बाइक से थाने में शिकायत करने के लिए जा रही थीं, इस दौरान देवर ने एक के बाद एक दो थप्पड़ जड़ दिए।

इसी दौरान संदीप सचान मौके पर पहुंचा और दोनों ने उन्हें चप्पलों से पीटना शुरू कर दिया। पति के विरोध करने पर पति पर भी थप्पड़ों की बौछार कर दी। मारपीट के दौरान बाइक गिरने से तीन साल की बेटी चुटहिल हो गई, वहीं बेरहमी से पिटाई के बाद विवाहिता सड़क पर बेसुध होकर गिर पड़ीं। इस दौरान मौके मौजूद एक युवक ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया।

बुधवार को वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गुजैनी पुलिस हरकत में आई। थाना प्रभारी राजन शर्मा ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी संदीप सचान व देवर पर मुकदमा दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

वाराणसी दालमंडी में 5 मस्जिदें तोड़ी गईं

200 मजदूर चला रहे हथौड़ा, 1860 जवान तैनात, औरंगजेब के जमाने की रंगीले शाह मस्जिद भी तोड़ी जा रही

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के दालमंडी में बुधवार सुबह 7:30 बजे से 5 मस्जिदें तोड़ी जा रही हैं। दोपहर 3 बजे तक करीब 30-40 फीसदी हिस्सा तोड़ा जा चुका है। एक मस्जिद की करीब 20 फीट ऊंची दो मीनारों को गिरा दिया गया है। करीब 200 मजदूर हथौड़ों से मस्जिदें गिराने में जुटे हैं। प्रशासन ने दालमंडी जाने वाले रास्ते को टीन शेड लगाकर बंद कर दिया है।

मौके पर सुरक्षा के लिए करीब 1860 जवान तैनात हैं। इनमें पीएसी की 7 कंपनियां, CRPF की एक बटालियन, RRF की एक बटालियन और स्थानीय पुलिस फोर्स शामिल है। यह कार्रवाई दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत की जा रही है। चौड़ीकरण परियोजना की जद में कुल 6 मस्जिदें आई हैं। इनमें से 5 मस्जिदों के प्रबंधन ने

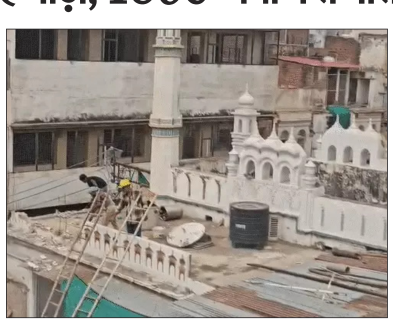

पहले ही ध्वस्तीकरण के लिए सहमति दे दी थी। जबकि एक मस्जिद को लेकर सहमति नहीं बन सकी। मुहर्रम समाप्त होने के बाद बुधवार को इन्हीं 5 मस्जिदों के चिह्नित हिस्सों को हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। इस बीच पुलिस-प्रशासन ने मीडिया को वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करने से भी रोक दिया है। दरअसल, दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत 181 मकानों और 6 मस्जिदों को हटाया जाना है। अब तक 162 मकानों पर कार्रवाई हो चुकी है। इनमें से 80 मकानों को पूरी तरह जमींदोज किया जा चुका है। ध्वस्तीकरण के लिए करीब 200 मजदूर लगाए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर 1860 पुलिसकर्मी और प्रशासनिक अधिकारी तैनात हैं। आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। ध्वस्तीकरण के दौरान मीडिया कर्मियों को वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करने से रोका गया। प्रशासन ने किसी भी व्यक्ति को कार्रवाई स्थल के पास रुकने की अनुमति नहीं दी है।

मस्जिद करीमुल्लाह बेग से शुरू हुई कार्रवाई

दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत 181 मकानों के साथ छह मस्जिदें भी प्रभावित हो रही हैं। इनमें लंगड़े हाफिज मस्जिद, निसारन की मस्जिद, रंगीले शाह मस्जिद, अली रजा मस्जिद, संगमरमर मस्जिद और मस्जिद मिर्जा करीमुल्लाह बेग शामिल हैं। लंगड़े हाफिज मस्जिद को छोड़कर बाकी सभी मस्जिदों के प्रबंधन ने चौड़ीकरण के लिए सहमति दे दी थी। मुहर्रम से पहले सभी का सीमांकन और नाप-जोख पूरी कर ली गई थी। मुहर्रम समाप्त होने के बाद बुधवार को फिर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई।

डीआईजी शिव हरि मीणा की मौजूदगी में सुबह करीब 7 बजे प्रशासन की टीम दालमंडी पहुंची। सबसे पहले टीन शेड लगाकर रास्ता बंद किया गया। इसके बाद चौक थाने के पीछे स्थित मस्जिद मिर्जा करीमुल्लाह बेग की बाउंड्री तोड़ने की कार्रवाई शुरू हुई। सबसे पहले इसी मस्जिद के चौड़ीकरण की जद में आ रहे हिस्से को हटाया जा रहा है।

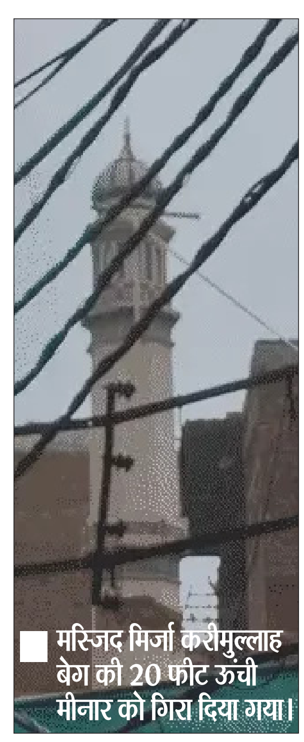

मस्जिद मिर्जा करीमुल्लाह बेग की 20 फीट ऊंची मीनार को गिरा दिया गया।

यूपी पुलिस के जवान का एक्सीडेंट में निधन

भिवानी के रहने वाले, पैतृक गांव में अंतिम संस्कार

तमसा संकेत, एजेंसी

भिवानी। उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात भिवानी जिले के विकास सांगवान की यूपी के शाहजहांपुर जिले में सोमवार रात सड़क हादसे में मौत हो गई। जवान विकास का पैतृक गांव संडवा में बुधवार सुबह ग्रामीणों ने नम आंखों के साथ विदाई दी और अंतिम संस्कार किया गया। घटना को लेकर गांव में भारी शोक है। जानकारी के अनुसार शाहजहांपुर के के मीरानपुर कटरा क्षेत्र में पशु विभाग की एक एंबुलेंस सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में एंबुलेंस में सवार मीरानपुर कटरा थाने के सिपाही विकास सांगवान, वेटरनरी डॉक्टर लक्ष्य सिंह और ड्राइवर अनिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। बरेली के एक निजी अस्पताल में सिपाही विकास सांगवान की मौत

हो गई। तिलहर की सीओ इशिका सिंह ने बताया कि हादसा सोमवार रात करीब 11:30 बजे हुआ। एंबुलेंस को अनिल चला रहा था, जबकि सिपाही और डॉक्टर बैठे हुए थे। अचानक एंबुलेंस अनियंत्रित हो गई। मीरानपुर कटरा कस्बे से थोड़ा पहले सड़क किनारे खड़े ट्रक से एंबुलेंस टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एंबुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद पीआरवी मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत सीएचसी लेकर आई।

फर्जी सब इंस्पेक्टर गिरफ्तार

नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे ऐटें, वर्दी पहनकर धौंस जमाता था

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में बुधवार सुबह करीब 10 बजे एक फर्जी दरोगा पकड़ा गया। आरोप है कि युवक पुलिस की वर्दी पहनकर रिश्तेदारों और दोस्तों पर रौब जमाता था। इतना ही नहीं, वह लोगों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे पैसे भी लेता था। जब लोग नौकरी के बारे में पूछते या अपने पैसे वापस मांगते, तो वह उन्हें जेल भेजने की धमकी देकर चुप करा देता था। आरोपी की हरकतों पर उसके एक दोस्त को शक हुआ। उसने पुलिस से शिकायत की। सूचना मिलने पर पुलिस उसके घर पहुंची तो युवक पुलिसकर्मियों पर ही रौब झाड़ने लगा। हालांकि, पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई। वहां उससे पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार युवक की पहचान शिवपुर थाना क्षेत्र के इंदरपुर निवासी राजन (22) के रूप में

पुलिस के मुताबिक आरोपी पुलिस की वर्दी पहनता था। उसका व्यवहार और बातचीत का तरीका भी पुलिस अधिकारी जैसा था। पहली नजर में उसकी पहचान करना आसान नहीं था। पुलिस ने उसे पकड़कर थाने पहुंचाया। आरोप है कि युवक अपने एक दोस्त को यूपी पुलिस में नौकरी दिलाने का भरोसा देकर उससे पैसे मांग रहा था। इसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की।

हुई है। मामला चोलापुर थाना क्षेत्र का है। चोलापुर थाना प्रभारी सधुबन राम गौतम ने बताया- पूरे मामले की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है।

थाना प्रभारी बोले- जांच जारी

चोलापुर थाना प्रभारी सधुबन राम गौतम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की पुष्टि की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह पता लगा रही है कि आरोपी ने नौकरी दिलाने के नाम पर कितने लोगों से संपर्क किया और कितनों से पैसे मांगे। उसके आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।

वारदात : घर में खून से लथपथ मिली लाश, बेटी बोली- हत्यारों की गिरफ्तारी तक अंतिम संस्कार नहीं करेंगे

यूपी पुलिस के सिपाही की मां की गला रेतकर हत्या

- पुलिस ने आसपास रहने वाले लोगों से भी पूछताछ की।
- महिला की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।
- मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने मौके पर साक्ष्य इकट्ठा किए।

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में बुधवार को यूपी पुलिस के एक कांस्टेबल की मां की गला रेतकर हत्या कर दी गई। महिला का शव घर के अगले हिस्से में बनी बैठक में खून से लथपथ मिला। सुबह करीब 7 बजे पड़ोस में रहने वाली एक महिला उन्हें बुलाने पहुंची तो शव देखकर शोर मचा दिया।

एसपी देहात अभिजीत कुमार ने बताया- शुरुआती जांच में महिला के गले से सोने की चेन और कानों के कुंडल गायब मिले हैं। प्रथम दृष्टया मामला लूट के इरादे से हत्या का लग रहा है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। शव देखते ही शरबती ने शोर मचा दिया। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। इसके बाद परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई। थाना प्रभारी सुदीश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी।

फूल समंदरी
मृतक

भतीजे की बेटी की शादी में जाने की थी तैयारी

मंगलवार रात फूल समंदरी की हस्तिनापुर निवासी अपने भतीजे सोनू कुमार से फोन पर बात हुई थी। सोनू ने बताया कि उसकी बेटी की शादी है। इस पर फूल समंदरी ने कहा था कि वह भी समारोह में शामिल होने आएंगी। बुधवार सुबह करीब 7 बजे सोनू ने दोबारा फोन किया, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ मिला। कुछ देर बाद उसे सूचना मिली कि उसकी बुआ की गला रेतकर हत्या कर दी गई है।

बेटी बोली- मां की हत्या में मोहल्ले के लोगों का हाथ

हत्या के बाद परिवार में आक्रोश है। मौके पर पहुंची बेटी मोनी ने आरोप लगाया कि उसकी मां की हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि मोहल्ले के लोगों ने कराई है।
मोनी ने कहा, "मां अकेली रहती थीं। जब भी हम यहां आते थे, मोहल्ले के कुछ लोग शराब के नशे में उन्हें ताना मारते थे।
कहते थे कि बुढ़ापे में इतने सोने के जेवर पहनकर कहां जाओगी, कोई लूटकर मार देगा।
जब तक हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं होगी, हम अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।"
कुछ देर बाद उसे सूचना मिली कि उसकी बुआ की गला रेतकर हत्या कर दी गई है।

आकाशीय बिजली गिरी, दो की मौत

तीन बच्चे झुलसे, अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

बिलारी (मुरादाबाद)। जिले में बुधवार को उस समय दर्दनाक हादसा हो गया जब खेत में धान की रोपाई कर रहे मजदूरों पर आकाशीय बिजली गिर गई। इस घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं। सभी घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इसी दौरान अचानक कड़कड़ाती हुई आकाशीय बिजली सीधे उसी पेड़ पर गिर गई, जिसके नीचे पांच लोग खड़े थे। बिजली गिरने का झटका इतना तेज था कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोग चीख-पुकार करने लगे। इस हादसे

में संतराम सैनी और विनीता नाम की दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, तीन बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

यह घटना बुधवार, 1 जुलाई को मझोला थाना क्षेत्र के गांव गागन वाली मैनाठेर के वार्ड नंबर 11 में हुई। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में स्थित एक गौशाला के पास एक खेत में धान की रोपाई का कार्य चल रहा था, जिसमें गांव के पुरुष, महिलाएं और बच्चे मजदूरी कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लगभग सुबह 11 बजे अचानक मौसम ने करवट ली।

घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया

बिजली गिरने की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को संभाला। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से तीनों बच्चों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया, जांच शुरू

सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है और घटना की जांच की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद गांव में मातम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं ग्रामीण इस अचानक हुई प्राकृतिक आपदा से सदमे में हैं।

खेत जा रही किशोरी पर तेंदुए का हमला

पेड़ से लगाई छलांग, शोर मचाने पर भागा

तमसा संकेत, एजेंसी

बिलारी। मुरादाबाद में एक 17 साल की किशोरी पर तेंदुए ने हमला कर दिया। खेत पर पशुओं के लिए चारा लेने जा रही किशोरी पर रास्ते में पेड़ पर बैठे तेंदुए ने अचानक छलांग लगा दी। किशोरी के शोर मचाने पर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर दौड़े, जिसके बाद तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। हमले में घायल किशोरी को पहले कांठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी अस्पताल पहुंची और तेंदुए को पकड़ने में जुट गई। घटना मंगलवार शाम 6 बजे की है। कांठ थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी मने सैफी की 17 वर्षीय बेटी

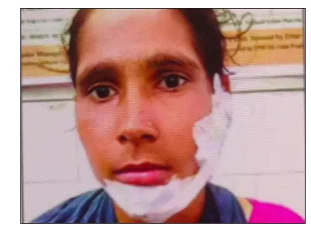

सानिया मंगलवार शाम पशुओं के लिए चारा लेने खेत जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में एक पेड़ पर बैठे तेंदुए ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हमले के बाद सानिया ने हिम्मत नहीं हारी और जोर-जोर से शोर मचाया। उसकी आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े। लोगों को अपनी ओर आता देख तेंदुआ किशोरी को छोड़कर वहां से भाग गया। ग्रामीणों ने घायल सानिया को तुरंत कांठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

फास्ट न्यूज

कार्यकर्ता का सम्मान सर्वोपरि

औरैया। औरैया में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की प्रदेश महामंत्री मनोनीत होने के बाद गीता शाक्य पहली बार अपने गृह जनपद औरैया पहुंचीं। इस अवसर पर भाजपाइयों ने जगह-जगह उनका जोरदार स्वागत किया। जिले की वेला सीमा पर पार्टी जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया, जिला प्रभारी आनंद सिंह और भाजयुमो जिलाध्यक्ष मोनू सेंगर के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत हुआ।

फ्रिज में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

कोल। अलीगढ़ में बुधवार देर रात 01:00 बजे एक मकान में फ्रिज में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, घर का कुछ सामान जलकर राख हो गया। घटना कन्वेरीगंज क्षेत्र के छपेटी मोहल्ले में हुई। मकान मालिक कन्हैया लाल जब घर लौटे और दरवाजा खोला, तो उन्हें फ्रिज से धुआं निकलता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने घर के सामान को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। आग की लपटें देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

दिव्यांग बुजुर्ग महिला को 8 साल से नहीं मिला आवास

रामपुर। रामपुर में स्वार तहसील क्षेत्र के ग्राम भूबरा मुस्तकम निवासी एक दिव्यांग बुजुर्ग महिला पिछले आठ वर्षों से प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रही है। महिला को अब तक पक्की छत नसीब नहीं हुई है। उसने अब जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर आवास दिलाने की गुहार लगाई है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बासौनी में पिनाहट-नंदपुरा मार्ग पर बंबा की पुलिया के पास से दोनों पकड़ाए

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। बासौनी पुलिस ने एक नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म और धमकी देने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता के पिता ने हाल ही में थाना बासौनी में तहरीर दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ महीनों से दो युवक उनकी नाबालिग बेटी को परेशान कर रहे थे।

तहरीर में बताया गया कि आरोपियों ने किशोरी के साथ जबरन दुष्कर्म किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत के आधार पर थाना बासौनी में संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट

के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर थाना बासौनी पुलिस ने पिनाहट-नंदपुरा मार्ग पर बंबा की पुलिया के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान करतार सिंह पिता शिवराज सिंह, निवासी ग्राम और थाना बासौनी, और राघवेंद्र पिता पूरन सिंह, निवासी ग्राम गुर्जा, थाना बासौनी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी गई है।

अखिलेश के जन्मदिन पर 53 फीट का केक कटा

मुरादाबाद में सांसद रुचि वीरा के आवास पर आधी रात मनाया गया जश्न

इस मौके पर मौजूद नेताओं ने अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री कार्यकाल की उपलब्धियों को याद किया। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। नेताओं ने यह भी दावा किया कि समाजवादी पार्टी लगातार जनता के मुद्दों को मजबूती से उठा रही है।

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन मुरादाबाद में बुधवार को बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। देर रात 12 बजे से ही शहर में जश्न का माहौल देखने को मिला, जहां समाजवादी पार्टी की सांसद रुचि वीरा के आवास पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण 53 फीट लंबा विशाल केक रहा, जिसे सांसद रुचि वीरा और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में काटा गया।

युवाओं में दिखा खासा जोश, लगाए जोरदार नारे

कार्यक्रम के दौरान युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव के समर्थन में नारेबाजी की और पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

आईएसबीटी से ताज ईस्ट गेट तक चलेगी मेट्रो

4 अंडरग्राउंड स्टेशन तैयार, 45 मिनट का सफर अब 20 मिनट में तय होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में जल्द ही आईएसबीटी से ताज ईस्ट गेट तक मेट्रो सेवा शुरू होने जा रही है। पहले कॉरिडोर के सभी शेष अंडरग्राउंड स्टेशन यात्री सेवाओं के लिए पूरी तरह तैयार हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) इस रूट पर सफल ट्रायल भी पूरा कर चुका है। आईएसबीटी मेट्रो स्टेशन का फिनिशिंग कार्य अंतिम चरण में है और जुलाई के मध्य से संचालन शुरू होने की उम्मीद है। मेट्रो शुरू होने के बाद आईएसबीटी से ताज ईस्ट गेट तक का सफर महज 15 से 20 मिनट में पूरा होगा। इससे यात्रियों को जाम से राहत मिलेगी और रेलवे स्टेशन, बस टर्मिनल व पर्यटन स्थलों तक बेहतर कनेक्टिविटी भी मिलेगी। यूपीएमआरसी आगरा में मेट्रो के

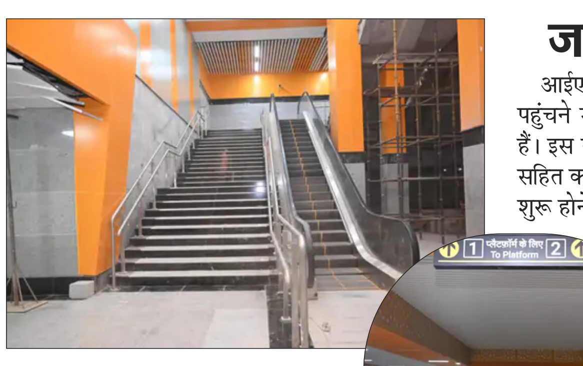

दो कॉरीडोर तैयार कर रहा है। पहला ताज ईस्ट गेट से सिकंदरा और दूसरा आगरा कैंट से कालिंदी विहार तक है। पहले कॉरीडोर पर ताज ईस्ट गेट से मनकामेश्वर मंदिर स्टेशन के बीच 6 स्टेशनों पर मेट्रो का संचालन हो रहा है। शेष 4 अंडरग्राउंड स्टेशनों का काम लगभग पूरा हो गया है। मेडिकल कॉलेज, आगरा कॉलेज, राजामंडी और आरबीएस कॉलेज अंडरग्राउंड स्टेशन बनकर तैयार हैं। एलिवेटेड स्टेशन आईएसबीटी का काम भी अंतिम चरण में है। इस तरह से पहला कॉरीडोर पर ताज ईस्ट गेट से आईएसबीटी स्टेशन तक मेट्रो का काम लगभग पूरा हो चुका है। उम्मीद की जा रही है कि जुलाई के मध्य में यहां मेट्रो का संचालन शुरू हो सकता है।

जाम से मिलेगी निजात

आईएसबीटी से ताज ईस्ट गेट (फतेहाबाद रोड) पहुंचने में सड़क मार्ग से लगभग 45 मिनट लगते हैं। इस बीच खंदारी, एमजी रोड, कलेक्ट्रेट, रावली सहित कई जगह जाम से जूझना पड़ता है। मेट्रो सेवा शुरू होने से न सिर्फ समय बचेगा बल्कि जाम से भी लोगों को राहत मिलेगी। आईएसबीटी से ताज ईस्ट तक पहुंचने में बमुश्किल 15 से 20 मिनट लगेंगे।

स्टेशनों पर लगी पेंटिंगों में आगरा की पच्चीकारी और जरदोजी कला को उकेरा गया है।

स्टेशनों पर लगी पेंटिंगों में आगरा की पच्चीकारी और जरदोजी कला को उकेरा गया है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक यदि बस टर्मिनल (आईएसबीटी) पर आएंगे, तो उन्हें मेट्रो स्टेशन पर बने सुविधाजनक पीडी आउटलेट्स जैसे रेस्टोरेंट्स, किऑस्क्स,

- आगरा कॉलेज स्टेशन का काम पूरा हो चुका है।
- स्टेशनों पर लगी पेंटिंगों में आगरा की पच्चीकारी और जरदोजी कला को उकेरा गया है।
- राजामंडी मेट्रो स्टेशन का काम पूरा हो चुका है।

बेहतर कनेक्टिविटी होगी

मेट्रो अधिकारियों ने बताया कि आगरा मेट्रो के स्टेशन मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के लिए उत्तम उदाहरण बनके उभरेंगे। साथ ही स्टेशन की समावेशी डिजाइन के चलते यात्री सीधे मेट्रो स्टेशन से आईएसबीटी और राजा की मंडी रेलवे स्टेशन में प्रवेश कर सकेंगे।

हैंडीक्राफ्ट की दुकानें आदि भी मिलेंगी। इसके साथ यात्रियों को आईएसबीटी से राजा की मंडी और आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।

बलिया में सड़क सुरक्षा पर सख्ती

ब्लैक स्पॉट पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

तमसा संकेत, एजेंसी

बलिया। बलिया में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इस बैठक का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना, यातायात व्यवस्था को मजबूत करना और लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। जिलाधिकारी ने आरटीओ को निर्देश दिए कि पिछले दो वर्षों में जिले में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं वाले 'ब्लैक स्पॉट' (दुर्घटना संभावित स्थान) और 'एक्सीडेंटल जोन' की पहचान की जाए। इन स्थानों पर चेतावनी बैनर लगाए जाएंगे ताकि वाहन चालक सतर्क रहें और दुर्घटनाएं कम हों। उन्होंने ब्लैक स्पॉट पर सीसीटीवी

कैमरे लगाने की कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने आरटीओ को जिले में संचालित सभी स्कूल बसों का सर्वे करने का आदेश दिया। इस सर्वे से यह सूची तैयार की जाएगी कि कितनी बसें संचालन योग्य हैं और कितनी मानकों पर खरी नहीं उतरतीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

कैराना हिंदू विहीन...

इस दौरान सीएम ने स्कूली बच्चों को खाना भी परोसा। अब उसी पैसे से कॉरिडोर बन रहा है। टू लेन और फोर लेन बन रहा है। यह वही पैसा है, जो कारीगरों के जीवन में लग रहा है। सरसावा में सिविल टर्मिनल बनाने में खर्च हो रहा है। रनवे बनाने में खर्च हो रहा है। जिन लोगों के पास नजरिया नहीं था, उन्होंने विकास नहीं किया। उन्होंने कहा कि जो लोग जय श्रीराम बोलने पर लाठी गोलियां चलवाते थे, वो लोग आज बोलते हैं कि आस्था के साथ खिलवाड़ हो रहा। जो अपराधी होगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं देंगे।

वेनेजुएला में मारे...

कि चक्कर आने से गिरने के बाद इलाज के दौरान हार्ट अटैक से उनकी मौत हुई। परिवार ने कहा कि राकेश का शव भारत पहुंचने के बाद डॉक्टरों की टीम ने उसका परीक्षण किया, लेकिन पोस्टमॉर्टम नहीं किया। कहा गया कि वेनेजुएला में पहले ही पोस्टमॉर्टम हो चुका था। इसके बाद देवरिया के कलेक्टर मधुसूदन हुलगी के निर्देश पर दूसरा पोस्टमॉर्टम कराया गया। परिवार के अनुसार, जांच में पता चला कि राकेश के शरीर से ब्रेन समेत अंदरूनी अंग गायब थे। विसरा भी नहीं मिला। इस कारण फोरेंसिक जांच भी संभव नहीं हो सकी। दूसरे पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट के मुताबिक, राकेश के शरीर पर गर्दन से नीचे तक एक कान से दूसरे कान तक 22 टांके थे। परिवार को इस बारे में पहले कोई जानकारी नहीं दी गई थी। पत्नी रंजना सिंह ने बताया- मेरे पति मर्चेंट नेवी में थे। उनकी तैनाती वेनेजुएला में थी। हमें 7 मई को उनके निधन की सूचना दी गई। उस समय बताया गया कि हाई ब्लड प्रेशर और शुगर की वजह से उनकी मौत हुई है, लेकिन हमें इस पर भरोसा नहीं है। वहां उनकी सोची-समझी साजिश के तहत हत्या कर अंग चोरी कर लिए गए। रंजना सिंह ने मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और परिवार को बीमा राशि जल्द देने की मांग की है। उन्होंने बताया कि छह महीने के बच्चे और बीमार ससुर की जिम्मेदारी अब उन पर है, इसलिए परिवार के पालन-पोषण के लिए सरकारी नौकरी देने की मांग की है। फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (FSUI) ने कहा, 'परिवार की सहमति के बिना राकेश के शरीर से सभी महत्वपूर्ण अंग क्यों निकाले गए। परिवार को तब तक अंधेरे में क्यों रखा गया, जब तक उन्होंने भारत में दोबारा पोस्टमॉर्टम की मांग नहीं की।' यूनियन ने यह भी आरोप लगाया कि शव प्राप्ति की रसीद में पत्नी रंजना चौरसिया की जगह 'अंजना चौरसिया' के नाम से हस्ताक्षर दर्ज किए गए। इसके अलावा एम्प्लॉयमेंट एग्रीमेंट में जिस जहाज का नाम था, राकेश की तैनाती उससे अलग जहाज पर दिखाई गई। ये सभी बातें मामले में गड़बड़ी और संभावित साजिश की ओर इशारा करती हैं।

राममंदिर चोरी ...

उन्हें लखनऊ मेदांता में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने बताया- महंत को 29 जून यानी सोमवार को लाया गया था। उन्हें सांस लेने में तकलीफ और यूरिन इन्फेक्शन था। चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही SIT को सरकार ने 15 दिन का समय और दिया है। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी की जांच का दायरा बढ़ाने के लिए ईडी को भी शामिल किया जा सकता है। अयोध्या पुलिस ने लखनऊ में ऑफिसर्स से इसका आग्रह किया है। मंगलवार को पुलिस ने फैजाबाद जेल में बंद सभी आठों आरोपियों से पूछताछ की। सबसे लंबी पूछताछ अविनाश से हुई। दो घंटे चली पूछताछ में 5 जून को अविनाश के घर से बरामद कैश और गहनों को लेकर सवाल-जवाब किए गए। राम मंदिर परिसर में तैनात 400 निजी सुरक्षाकर्मी भी जांच के घेरे में हैं। उनकी ड्यूटी, रोस्टर, CCTV, एंट्री-एग्जिट रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा जिस निजी सुरक्षा कंपनी के पास था, वह बिहार के पूर्व सांसद की है। ट्रस्ट इस पर हर महीने 1 करोड़ खर्च करता था। यानी निजी सुरक्षा पर सालाना 12 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे थे। चंपत राय से रविवार को पुलिस ने करीब 3 घंटे पूछताछ की थी। पूछा कि उन्हें चढ़ावा चोरी का पता पहली बार कब और कैसे लगा। उसके बाद क्या-क्या किया। इससे पहले, कोर्ट ने सोमवार को चढ़ावा चोरी में गिरफ्तार 8 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी। राम मंदिर में पिछले 17 साल से तैनात रेडियो ऑपरेशन अधिकारी (RMO) अर्जुन देव का तबादला गोरखपुर कर दिया गया। SIT ने उनकी भूमिका को भी जांच के दायरे में लिया है। चढ़ावे की गिनती वाले काउंटिंग रूम के CCTV समेत राम मंदिर परिसर में लगे 1600 कैमरों की निगरानी की जिम्मेदारी उनके पास थी। चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। यूपी सरकार ने 13 जून को SIT बनाई। 25 जून को FIR हुई। रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी दिन मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में माल बरामदगी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक 20 लाख कैश अविनाश शुक्ला के पास मिला है। 1121 डॉलर यानी करीब एक लाख 6 हजार रुपए और सोने-चांदी की ज्वेलरी भी बरामद हुई है। टिन्नू के पास से 1 लाख और उसके भतीजे से 2 लाख कैश मिले हैं। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने पीलीभीत में गौ रक्षार्थ यात्रा के दौरान केंद्र की भाजपा सरकार और सीएम योगी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अयोध्या में बना राम मंदिर अभी पूर्ण रूप से उपासना स्थल नहीं है, बल्कि भाजपा और आरएसएस का कार्यालय बनकर रह गया है। जब वह पूरी तरह से उपासना स्थल बन जाएगा, तब हम वहां जाकर आराधना करेंगे। श्याम साधनालय योग केंद्र की योग प्रशिक्षक सीमा तिवारी ने बताया- अविनाश शुक्ला पिछले डेढ़ सालों से यहीं रहता था। उसका भाई अभिषेक 10 साल पहले से यहां रहता था। डॉ. चैतन्य का योग सेंटर है। ऐसे बहुत से लड़कों को गुरुजी ने पढ़ाया, लिखाया, उनकी सारी जिम्मेदारी ली, उन्हें शरण दी और उन्हीं में से एक अभिषेक भी था। चार-पांच साल पहले उसकी नौकरी प्राइमरी स्कूल में लग गई। उन्होंने बताया- अभिषेक अपने भाई को लेकर आया। बताया कि उसकी नौकरी राम मंदिर में लग गई। अब सुनने को मिल रहा है कि उसका नाम गबन में आ रहा है। हम लोग शॉक हो गए। 5 जून को यहां पुलिस आई थी। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो पता चला कि कुछ बैग यहां से मिले हैं। दूसरे दिन ही हम लोगों ने अभिषेक से बात की और उससे कहा कि 'भाई, आप यहां से चले जाइए, सेंटर की बहुत ज्यादा बदनामी हो रही है। 6 जून को दोनों यहां से चले गए।अयोध्या किसी के पिता की बपौती या पैतृक संपत्ति नहीं है, जहां जाने से किसी को रोका जाए। अयोध्या में सबका स्वागत होना चाहिए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन पर सवाल उठाते हुए शंकराचार्य ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने न्यायालय में राम मंदिर की लड़ाई लड़ने वाले मुख्य पक्षकारों को हटाकर अपने चहेते लोगों को ट्रस्ट में शामिल कर लिया है।

30 दिन जेल में रहे ...

जिसके बाद इसे इन्हें JPC को भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया था। 2014 के बाद कम से कम 13 सिटिंग मंत्रियों को CBI-ED गिरफ्तार कर

चुकी हैं। इनमें से 10 गिरफ्तारी PMLA के कड़े प्रावधानों के तहत हुईं। अधिकतर गिरफ्तारी APP शासित दिल्ली और TMC शासित पश्चिम बंगाल में हुईं। किसी भाजपाई मंत्री की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सिर्फ उत्तर प्रदेश के मंत्री राकेश सचान को अवैध हथियार के मामले में एक वर्ष की सजा हुई थी। वह जमानत के बाद द पर बने हुए हैं।

मैक्सिको ने 40 साल बाद नॉकआउट मैच जीता, जश्न में 2 फैंस की मौत

फुटबॉल वर्ल्डकप में एमबाप्पे के डबल गोल से जीता फ्रांस

खेल

नई दिल्ली, एजेंसी

पिछली बार की फाइनलिस्ट फ्रांस ने बुधवार के पहले मैच में स्वीडन को 3-0 से हराकर फुटबॉल वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। साथ ही सह-मेजबान मैक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर 40 साल बाद नॉकआउट राउंड का मैच जीता है। इस जीत के शहर के कई जगह सेलिब्रेशन हुए। इस दौरान 2 फैंस की दम घुटने से मौत हो गई।

न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने दो और ब्रैडली बारकोला ने एक गोल किया। मैक्सिको सिटी स्टेडियम में मैक्सिको के जूलियन क्विन्योनेस ने 22वें और राउल जिमेनेज ने 31वें मिनट में गोल किए। इंजरी टाइम के 5वें मिनट में पिएरो हिनकापिए को रेड कार्ड मिला। अब फ्रांस का सामना पैराग्वे से 5 जुलाई को होगा। जबकि, मैक्सिको 6 जुलाई को इंग्लैंड और कांगो डीआर के विजेता से खेलेगी। 1986 में अपने घर में खेले गए वर्ल्ड कप में बुल्गारिया को हराने के बाद यह पहली बार है, जब मैक्सिको ने नॉकआउट चरण का कोई मुकाबला जीता है। इसके बाद टीम 1994, 1998, 2002, 2006, 2010, 2014 और 2018 वर्ल्ड कप में लगातार सात नॉकआउट मुकाबले हार गई थी। वहीं, 2022 कतर वर्ल्ड कप में टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी।

फ्रांस के कोच दिदिए देशां अपनी मां के अंतिम संस्कार के बाद टीम से जुड़े। मैच के अंत में जब एमबाप्पे को बदला गया तो देशां ने झुककर उनका अभिवादन किया। फ्रांस अब तक टूर्नामेंट में 13 गोल कर चुका है और सिर्फ दो गोल खाए हैं। माइकल ओलिसे पांच गोल में असिस्ट दे चुके हैं।

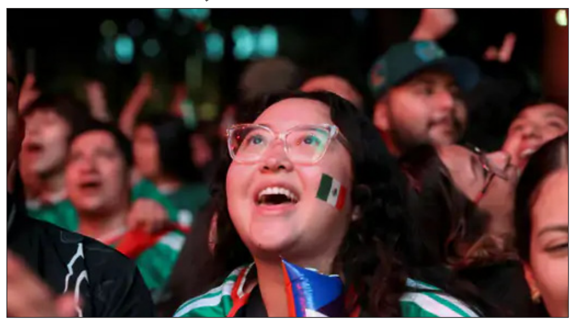

सेलिब्रेशन के दौरान एक मैक्सिकन फैन।

ओलिसे ने 2 गोल असिस्ट किए

फ्रांस ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। टीम ने स्वीडन पर 25-7 से शॉट लगाए, जिनमें पहले हाफ में 15-3 की बढ़त रही। पहले एमबाप्पे और फिर माइकल ओलिसे की साइकिल किक पोस्ट से टकराई। इसके बाद एमबाप्पे ने ओलिसे के प्रयास पर मिले मौके को गोल में बदला। 53वें मिनट में गुस्ताफ लागरबिएल्के से गेंद छिनने के बाद ऑरेलियन चुआमेनी ने ओलिसे को पास दिया। ओलिसे ने शानदार मूव बनाते हुए बारकोला को गेंद दी और उन्होंने गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। तीसरा गोल भी ओलिसे और बारकोला की मदद से एमबाप्पे ने किया।

एमबाप्पे वर्ल्ड कप में नॉकआउट के टॉप गोल स्कोरर

एमबाप्पे ने 45वें और 74वें मिनट में गोल किए। उन्होंने इस वर्ल्ड कप में तीसरी बार डबल गोल किए हैं। टूर्नामेंट में उनके छह गोल हो गए हैं। उन्होंने इस एडिशन के टॉप गोल स्कोरर की लिस्ट में अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी की बराबरी कर ली है।

एमबाप्पे वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबलों में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके 10 गोल हो गए हैं। उन्होंने ब्राजील के दिग्गज लियोनिडास और रोनाल्डो के आठ-आठ गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। एमबाप्पे ने वर्ल्ड कप करियर में 18वां गोल किया है। वे मेसी (19 गोल) के वर्ल्ड रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं।

न्यूजीलैंड की ओडीआई टीम का एलान मैट फिशर को पहली बार मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी 5 मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम का एलान हो गया है। कीवी टीम में पहली बार मैथ्यू फिशर को मौका मिला है, जबकि धाकड़ तेज गेंदबाज जैकब डफी की वापसी हुई है। 11 जुलाई से इस सीरीज का आगाज होना है, जिसमें कुछ खिलाड़ी खेलते हुए नजर नहीं आएंगे, क्योंकि वह अमेरिका में जारी मेजर लीग क्रिकेट का हिस्सा हैं, जिसमें रचिन रविंद्र का नाम भी शामिल हैं। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए वनडे टीम का एलान किया दरअसल, न्यूजीलैंड ने अपने 16 सदस्यीय स्क्वॉड का एलान कर दिया है। विंडीज के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए बॉलर मैट फिशर को पहली बार वनडे टीम में मौका मिला है, जबकि इंग्लैंड टेस्ट दौरे को मिस करने के बाद जैकब डफी की वापसी हुई है। 26 साल के मैट फिशर की बात करें तो उन्होंने लिस्ट-ए क्रिकेट में घरेलू स्तर पर

अच्छा परफॉर्म किया है।

25 मैचों में उन्होंने 43 विकेट चटकाए। वह इंटरनेशनल डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच 2025 अगस्त में खेला था, जबकि बांग्लादेश के खिलाफ अप्रैल 2026 में आखिरी टी20आई मैच खेला। आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप 2026 फाइनल के बाद जैकब डफी पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नजर आएंगे। वह अपने पहले बच्चे के जन्म की वजह से इंग्लैंड टेस्ट टूर मिस कर बैठे थे। कीवी टीम की कप्तानी मिचेल सेंटनर ही करेंगे, जबकि टॉम लैथम की बतौर विकेट-कीपर वापसी हुई। स्पिन डिपार्टमेंट में माइकल ब्रेसवेल, जायडेन लेनॉक्स और डीन फॉक्सक्राफ्ट शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया 8वीं बार फाइनल में पहुंची

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

लंदन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया आठवीं बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गई है।

लंदन के द ओवल स्टेडियम में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 125 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 13 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। दूसरा सेमीफाइनल साउथ अफ्रीका और मेजबान इंग्लैंड के बीच 2 जुलाई को इसी मैदान पर खेला जाएगा। फाइनल लॉर्ड्स में 5 जुलाई को होगा। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस

जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। वेस्टइंडीज के दोनों ओपनर्स हेली मैथ्यूज और कियाना जोसेफ ने धीमी शुरुआत की। पावरप्ले में विकेट ना गंवाने के बावजूद टीम सिर्फ 35 रन ही बना सकी।

9वें ओवर में 47 रन के टीम स्कोर पर हेली के रुप में पहला झटका लगा। वे 28 गेंद पर 30 रन बनाकर जॉर्जिया वारेहम की गेंद पर बोल्ड हुई।

टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। 16वें ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर 83 रन पर 6 विकेट हो गया।

उम्मीद है भारत उसे नहीं खिलाएगा

नई दिल्ली। आयरलैंड से मिली हार के बाद भारतीय टीम बुधवार से इंग्लैंड के विरुद्ध अपने अभियान की शुरुआत करेगी। पांच मैच की टी-20 सीरीज से पहले इंग्लैंड के टॉम बैंटन ने दैनिक जागरण से विशेष बातचीत की। इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज बैंटन का मानना है कि आयरलैंड से मिली हार के बाद भारतीय टीम और खतरनाक हो गई होगी। वह वैभव सूर्यवंशी से बहुत प्रभावित भी दिखे। बैंटन ने कहा कि निश्चित तौर पर भारतीय टीम ज्यादा खतरनाक हो सकती है। पांच मैच की सीरीज के पांचों मैच में अलग-अलग खिलाड़ी आगे आकर भारत को जिता सकते हैं। भारत के पास बहुत शानदार खिलाड़ी हैं। वो दो मैच हारकर आ रहे हैं लेकिन वो लोग अपनी गलतियों से बहुत तेजी से सीखते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए भी ये अच्छा मौका है। मैं इस सीरीज के लिए बहुत उत्साहित हूं। बैंटन ने ये भी कहा कि उन्होंने वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी खूब देखी है।

24 साल छोटी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने हराया, इगा स्वियातेक अगले राउंड में

संन्यास से लौटीं सेरेना के पहले राउंड में हारीं

लंदन, एजेंसी

रिटायरमेंट से वापसी कर रही सेरेना विलियम्स को विंबलडन के पहले ही राउंड में हार गई हैं। 44 साल की सेरेना को उनसे 24 साल छोटी ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना अब लेडीज डबल्स कैटेगरी में अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ चुनौती पेश करेंगी। सेरेना ने करीब चार साल (1,462 दिन) बाद इस चैंपियनशिप से वापसी की। उन्हें लेडीज सिंगल्स और डबल्स कैटेगरी में वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई। 2022 में मां बनने के बाद उन्होंने इंटरनेशनल करियर से रिटायरमेंट ले लिया था। महिला सिंगल्स की

सेरेना को ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने 6-3, 6-7, 6-3 से हराया।

मौजूदा चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियातेक को भी अपने पहले दौर के मुकाबले में काफी पसीना बहाना पड़ा। तीसरी वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6-1, 2-6, 6-3 से हराया। पहला सेट 6-1 से आसानी से जीतने के बाद दूसरा सेट हार गईं। तीसरे सेट के पहले गेम में उन्होंने तीन डबल फॉल्ट करने के बावजूद चार ब्रेक पॉइंट बचाए और अंततः दो घंटे से अधिक चले मैच को जीत लिया।

बुल्गारिया के 35 साल के खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव ऑस्ट्रेलिया के डेन स्वीनी को सीधे सेटों में 7-6, 6-3, 7-5 से हरा दिया। दिमित्रोव पिछले साल इसी कोर्ट पर यानिक सिनर के खिलाफ 2 सेट की बढ़त लेने के बाद पेक्टोरल इंजरी (सीने की मांसपेशी में चोट) के कारण मैच से हट गए थे।

उम्र से 24 साल छोटी खिलाड़ी से हारी सेरेना

सेरेना विलियम्स थोड़ी थकी और लय से बाहर नजर आईं। पहले सेट में ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने उनकी कमजोरियों का फायदा उठाया और यह सेट आसानी से 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में सेरेना ने शानदार वापसी की। दो बार ब्रेक पॉइंट पर पिछड़ने के बाद उन्होंने खेल को टाइ-ब्रेकर तक खींचा और दूसरा सेट 7-6 से जीत लिया। हालांकि, तीसरे सेट में शारीरिक थकान उन पर हावी हो गई और माया ने आखिरी सेट 6-3 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। सेरेना ने बयान में कहा- 'विंबलडन में वापस आना वास्तव में बहुत अच्छा था। मुझे यहां आने की उम्मीद नहीं थी। माहौल अद्भुत था और मैंने इस पल का पूरा आनंद लिया।'

मनोरंजन

‘डायन’ कहकर ठुकराया गया, बॉलीवुड के दरवाजे बंद हुए, लगा था कि एक्टिंग नहीं कर पाएंगी, अब 7 साल बाद वापसी

34 की हुई रिया चक्रवर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

एक समय था जब रिया चक्रवर्ती फिल्मों से ज्यादा विवादों की वजह से चर्चा में थीं। उनसे जुड़ी खबरों में एक्टिंग कम और आरोप, बहस, ट्रोलिंग और जांच ज्यादा दिखाई देती थी। लेकिन इस कहानी की शुरुआत वहां से नहीं होती। इसकी शुरुआत एक ऐसी लड़की से होती है जो आर्मी परिवार से मुंबई आई थी और एक्ट्रेस बनना चाहती थी।

फिर रास्ते में रिजेक्शन मिला। यशराज की फिल्म हाथ से निकल गई। बॉलीवुड में फ्लॉप का ठप्पा लगा। महेश भट्ट के साथ रिश्तों पर सवाल उठे। फिर 2020 आया और जिंदगी पूरी तरह बदल गई। 27 दिन जेल, काम बंद हुआ, सोशल मीडिया ट्रायल, मानसिक संघर्ष और यह एहसास कि शायद अब कभी कैमरे के सामने लौटना नहीं होगा।

रिया ने नए सिरे से शुरुआत की। बिजनेस शुरू किया, अपना मंच बनाया और अब कई साल बाद फिर एक्टिंग में वापसी की तैयारी कर रही हैं। यह सिर्फ कमबैक नहीं, बल्कि दूसरे अध्याय की कहानी है।

2020 में उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ आया। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद उनका नाम चर्चाओं में आ गया।

बॉलीवुड में एंट्री मिली, लेकिन सफलता नहीं

रिया ने 2013 में ‘मेरे डैड की मारुति’ से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसके बाद ‘सोनाली केबल’, ‘बैंक चोर’, ‘जलेबी’ और ‘चेहरे’ में काम किया। उनका शुरुआती करियर संघर्षपूर्ण रहा। ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रहीं। धीरे-धीरे धारणा बनी कि वह स्क्रीन पर अच्छी दिखती हैं लेकिन फिल्में सफल नहीं होतीं। ऐसे टैग लंबे समय तक असर डालते हैं।

आर्मी परिवार की लड़की जिसने ग्लैमर इंडस्ट्री चुनी

1 जुलाई 1992 को बेंगलुरु में जन्मीं रिया चक्रवर्ती एक आर्मी परिवार से आती हैं। उनके पिता लेफ्टिनेंट कर्नल इंद्रजीत चक्रवर्ती भारतीय सेना में रहे। परिवार का बैकग्राउंड फिल्मी नहीं था। उन्होंने कम उम्र में तय कर लिया था कि उन्हें कैमरे के सामने काम करना है।

उन्होंने करियर की शुरुआत टीवी से की। 2009 में MTV Teen Diva में हिस्सा लिया। वह शो नहीं जीत सकीं, लेकिन रनरअप रहीं और यहीं से पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने MTV में VJ के तौर पर काम शुरू किया और युवाओं के बीच पहचान बनाई।

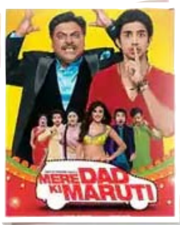

मेरे डैड की मारुति (2013)

रिया ने इंडस्ट्री में जगह बनाने के लिए ऑडिशन दिए। यशराज की फिल्म ‘बैंड बाजा बारात’ के लिए भी ऑडिशन दिया, लेकिन चयन नहीं हुआ। बाद में फिल्म हिट साबित हुई। यह शुरुआती रिजेक्शन था, लेकिन उन्होंने दूसरा रास्ता चुना। उन्होंने तेलुगु फिल्म ‘तुनीगा तुनीगा’ से शुरुआत की और बाद में हिंदी फिल्मों की तरफ बढ़ीं।

सोनाली केबल (2014)

बैंक चोर (2017)

हाफ गर्लफ्रेंड (2017)

जलेबी (2018)

चेहरे (2021)

‘जलेबी’ के बाद चर्चा बढ़ी, महेश भट्ट के साथ तस्वीरों पर सवाल उठे

रिया के करियर में ‘जलेबी’ एक अहम फिल्म मानी गई। यह फिल्म भट्ट कैंप से जुड़ी थी और इसी दौरान रिया और फिल्ममेकर महेश भट्ट की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर कई तरह की चर्चाएं और दावे होने लगे। हालांकि रिया ने सार्वजनिक रूप से इन बातों को खारिज किया और कहा कि महेश भट्ट उनके लिए पिता समान हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा लंबे समय तक उनका पीछा करती रही।

गिरफ्तारी और 27 दिन जेल

ड्रग्स से जुड़े मामले में जांच एजेंसी की कार्रवाई के दौरान रिया को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने लगभग 27 दिन जेल में बिताए। बाद में उन्हें अदालत से जमानत मिली और वह बाहर आईं। कानूनी रूप से जमानत किसी मामले के अंतिम निष्कर्ष के बराबर नहीं होती, लेकिन उस समय यह उनके लिए निजी तौर पर बड़ा मोड़ था। जेल का अनुभव उनकी जिंदगी का सबसे कठिन अनुभव था। रिया ने बताया था कि जेल में रहना आसान नहीं था। उन्होंने कहा था कि वहां जाकर उन्हें लगा जैसे उनकी पहचान उनसे छीन ली गई हो। उन्होंने कहा- आप धीरे-धीरे अपने नाम से नहीं, एक नंबर से पहचाने जाने लगते हैं। लेकिन इसी दौरान उन्होंने कुछ ऐसी चीजें भी देखीं जिन्होंने उनकी सोच बदल दी। उन्होंने कहा कि जेल में रहने वाली कई महिलाएं बहुत कम चीजों में भी खुशी ढूंढ लेती थीं। उन्हें महसूस हुआ कि बाहर की दुनिया में लोग बहुत कुछ होने के बाद भी असंतुष्ट रहते हैं।

नेहा धूपिया ने पैपराजी पर भड़कते हुए चेतावनी दी

गलत एंगल से वीडियो लेने पर कहा- बंद करो ये सब, एक्ट्रेस का वीडियो वायरल हुआ था

नई दिल्ली। गोल्ड स्ट्रीमिंग अवॉर्ड सेरेमनी में नेहा धूपिया पैपराजी पर भड़क गई हैं। एक्ट्रेस ने बैक शॉट लेने और उन्हें पोस्ट करने पर नाराजगी जाहिर की और पैपराजी को कड़े शब्दों में वॉर्निंग भी दी।

सेरेमनी से नेहा धूपिया अवॉर्ड लेकर निकल रही थीं। तभी पैपराजी ने उनके ग्रे हेयर पर कमेंट किया, जिसके जवाब में भड़कते हुए उन्होंने कहा है, ‘बोल लिया? कर लिया? ये बदतमीजी से बैक शॉट कौन लेता है तुम लोगों में से? कौन लेता है? छापता कौन है? मत करो। मेरा नहीं करना है, किसी का नहीं करना है। बोल-बोलकर थक गए हैं।’

आगे एक्ट्रेस ने कहा, ‘हम लोगों का काम नहीं है ये। हम बाहर आते हैं, तो आप लोग वहां ये सब करते हैं, बैग उठाकर, बुक उठाकर, पीछे से चलते हुए, ये सब नहीं चलेगा अभी। बंद करो ये सब। बहुत इज्जत से आप लोगों से बात करते हैं, ये सब मत करो। मत करो, बिल्कुल ये सब मत करो।’ बता दें

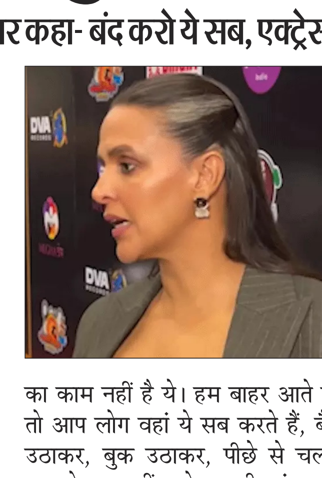

कि कुछ समय पहले ही नेहा धूपिया का सोनाक्षी सिन्हा और जहीर के साथ रनिंग करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उनके बैक शॉट का इस्तेमाल हुआ था।

कुछ समय पहले ही मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो पैपराजी पर गुस्सा करती दिखी थीं। दरअसल, एक इवेंट के बाद मलाइका एक शख्स से बात कर रही थीं, लेकिन पैपराजी प्राइवेसी देने के बजाए लगातार उनका वीडियो ले रहे थे। ये देख एक्ट्रेस भड़क गईं और कहा- इधर ही आ जाओ।

माफी मांगने के लिए पैरों पर गिर गई थीं कश्मीरा

सुनीता आहूजा सुलह पर बोलीं- रो-रोकर माफी मांगी

नई दिल्ली। इन दिनों रियलिटी शो लॉक अप में नजर आ रहीं गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह से हुई सुलह पर बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि कश्मीर शाह ने उनके पैरों पर गिरकर माफी माफी मांगी थी, जिसके बाद उनका 15 साल पुराना झगड़ा खत्म हुआ है। इस पर कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा का रिएक्शन

भी सामने आया है। लॉक अप शो में सुनीता आहूजा ने भांजे कृष्णा से पैच-अप होने पर को-कंटेस्टेंट माधुरी से कहा, ‘लाफ्टर शो में उनके राइटर ने जो लिखकर दिया, मैंने वही कहा। शो में मेरा और कृष्णा का 15 साल बाद पैच-अप हुआ। उसके बच्चे 9 साल के हो गए, मैंने देखे नहीं थे, जबकि मैंने उसको (कृष्णा) पाल-पोसकर बड़ा किया है।’आगे सुनीता ने कहा, ‘कश्मीरा एक अच्छी लड़की है। पैर पर गिरकर रो-रोकर माफी मांगी है। मैं भी रोने लगी। 14 साल बाद मैं उन्हें देख रही थी। कश्मीरा मेरे पैरों पर थी और बोल रही थी मुझे माफ कर दीजिए, मुझसे गलती हो गई।’

कन्नड़ एक्ट्रेस के साथ बेंगलुरु में छेड़छाड़

नई दिल्ली। 'बिग बॉस कन्नड़' की पूर्व कंटेस्टेंट और एक्ट्रेस दिव्या सुरेश ने बेंगलुरु में देर रात अपने साथ हुई कथित छेड़छाड़ की घटना शेयर की। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि यह घटना रविवार रात करीब 11:30 बजे हुई, जब वह अपनी कजिन के साथ कार की ओर जा रही थीं।

दिव्या ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि एक अज्ञात व्यक्ति उनका पीछा करने लगा और उनके सामने अश्लील हरकतें करने लगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने और उनकी कजिन ने तुरंत उसे टोका, लेकिन वह नहीं रुका और उनके कार में बैठने तक उनका पीछा करता रहा।

दिव्या ने कहा कि केवल रात में सड़क पर चलने की वजह से किसी भी महिला को इस तरह के उत्पीड़न का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने अपनी पोस्ट में बेंगलुरु पुलिस को टैग करते हुए सवाल किया, जिस सुरक्षा का हमें बार-बार भरोसा दिया जाता है, वह कहां है?

जापान की पीएम ताकाइची भारत के लिए रवाना

दौरा

आज दिल्ली पहुंचेंगी, मोदी के साथ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची बुधवार को तीन दिन के भारत दौरे के लिए टोक्यो से नई दिल्ली रवाना हो गईं। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला आधिकारिक भारत दौरा है।

भारत पहुंचने के बाद ताकाइची 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगी। इस दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता होगी। दोनों नेता निवेश, व्यापार, सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, मजबूत सप्लाई चेन, समुद्री सुरक्षा और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

यह दौरा 1 से 3 जुलाई तक चलेगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस बैठक में दोनों देश अपने रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने पर भी जोर देंगे।

यह दौरा अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री मोदी के जापान दौरे के बाद हो रहा है और दोनों देशों की विशेष रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए जापान का

डॉलर पर निर्भरता घटेगी

अगर भारत और जापान के बीच भुगतान से जुड़ा ये प्रस्ताव लागू होता है तो दोनों देशों के बीच पहली बार स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को लेकर औपचारिक व्यवस्था बनेगी। इस योजना के तहत जापानी कंपनियां भारत के बैंकों में विशेष खाते खोलकर सीधे रुपए और येन में लेनदेन कर सकेंगी। यानी लेनदेन के लिए, अमेरिकी डॉलर या किसी तीसरे देश के बैंक की जरूरत नहीं पड़ेगी।

भारत-जापान में डॉलर के बिना व्यापार की तैयारी

भारत और जापान व्यापार में अमेरिकी डॉलर की भूमिका कम करने की तैयारी कर रहे हैं। निक्की एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश ऐसी व्यवस्था बनाने पर काम कर रहे हैं, जिससे कारोबार का भुगतान सीधे भारतीय रुपए और जापानी येन में हो सके। इस प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची की नई दिल्ली में होने वाली बैठक के बाद ऐलान किया जा सकता है। साने ताकाइची आज 3 दिन के भारत दौरे पर आ रही हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा होगा। दोनों नेताओं के बीच होने वाले 16वें भारत-जापान सलाना शिखर सम्मेलन में व्यापार, निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमोबाइल, सप्लाई चेन और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

भारत पहले से बढ़ा रहा रुपए में कारोबार

संसद में सरकार ने बताया था कि अब तक 30 देशों के 123 विदेशी बैंकों के लिए भारत के 26 बैंकों में 156 विशेष रुपया वोस्त्रो खाते खोले जा चुके हैं। RBI का कहना है कि इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मजबूत विदेशी मुद्राओं पर निर्भरता कम होगी और रुपए का वैश्विक इस्तेमाल बढ़ेगा।

वित्त मंत्रालय वित्त वर्ष 2026 के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के साथ एक सहयोग समझौता (MoC) करने की तैयारी में है।

यह प्रस्ताव पूरी तरह नया नहीं है। अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अगले 10 वर्षों के लिए साझा विजन दस्तावेज जारी किया था। उसमें भी पेमेंट सिस्टम और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की बात कही गई थी।

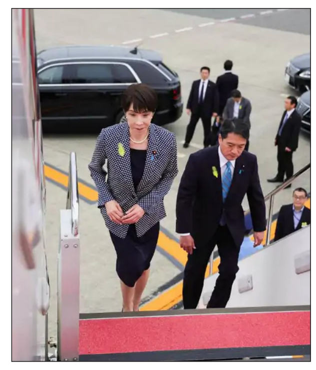

तस्वीर ताकाइची के भारत रवाना होने की है।

ब्राजील में फोटो खिंचवाने के तुरंत बाद 500 फीट नीचे गिरने से हाइकर की मौत

ब्रासीलिया, एजेंसी

ब्राजील में एक बेहद दिल दहला देने वाला वाकया सामने आया है। यहां एक मशहूर टूरिस्ट स्पॉट पर फोटो खिंचवाने के तुरंत बाद एक 44 वर्षीय व्यक्ति का संतुलन बिगड़ गया और वह करीब 500 फीट गहरी खाई में जा गिरा। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान कायो रोचा एगुइयार अराबल के रूप में हुई है। यह घटना रियो डी जेनेरियो के पास मारिका में मौजूद 'पेड्रा दो माकाको' ट्रेक पर रविवार को हुई।

जानकारी के मुताबिक, कायो पहाड़ी की चोटी पर एक ऐसी चट्टान पर चढ़कर फोटो खिंचवा रहे थे, जहां से नीचे की झीलों का खूबसूरत नजारा दिखता है। यह जगह बेहद खतरनाक मानी जाती है, फिर भी लोग यहां आकर तस्वीरें खिंचवाते हैं। चश्मदीदों ने बताया कि कायो ने जैसे ही फोटो खिंचवाना खत्म किया और नीचे उतरने की कोशिश की, तभी उनका पैर फिसल गया। उनके साथ मौजूद एक साथी ट्रेकर इस पूरी घटना का वीडियो बना रहा था। वीडियो में वह कायो को ध्यान से, संभलकर रहने की चेतावनी देता सुनाई दे रहा है, लेकिन अगले ही पल कायो का संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गए। वीडियो में गवाह की चीखें भी रिकॉर्ड हुई हैं।

स्थानीय प्रशासन ने बताया कि कायो उस दिन ट्रेकर्स के एक ग्रुप के लिए गाइड का काम कर रहे थे, जबकि उनके पास इसका कोई कानूनी लाइसेंस नहीं था। जांच अधिकारियों का मानना है कि फोटो खिंचवाने के बाद वे चट्टान के उस हिस्से से नीचे उतरने की कोशिश कर रहे थे जो बहुत ज्यादा सीधा और ढलान वाला था। गलत रास्ते से उतरने की वजह से ही उनका संतुलन बिगड़ा।

फास्ट न्यूज

'यूरोप तपे तो सहानुभूति, भारत झुलसे तो मजाक क्यों'

नई दिल्ली। भारत में रह रहीं पोलैंड की कंटेंट क्रिएटर एग्निएस्का हड्डा का एक सोशल मीडिया पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो पोस्ट में महिला ने जलवायु संकट को लेकर पश्चिमी मीडिया और वैश्विक सोशल मीडिया यूजर्स के दोहरे मापदंड की धज्जियां उड़ाई हैं। कंटेंट क्रिएटर एग्निएस्का हड्डा ने सवाल उठाया है कि जब यूरोप में 35 डिग्री तापमान होने पर स्कूल बंद हो जाते हैं और लोग पार्कों या समुद्र तटों पर सोते हैं, तो पूरी दुनिया उनके प्रति सहानुभूति दिखाती है।

पेट्रोकेमिकल्स के इम्पोर्ट पर जीरो कस्टम-ड्यूटी 15 जुलाई तक बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने 30 जून को लगभग 40 जरूरी पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स के इम्पोर्ट पर जीरो कस्टम ड्यूटी को 15 दिनों के लिए बढ़ा दिया है। अब यह राहत 15 जुलाई तक लागू रहेगी। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और ईरान युद्ध के कारण ग्लोबल सप्लाई चेन में आई रुकावटों के बीच घरेलू उद्योगों को स्थिरता देने के लिए यह कदम उठाया गया है।

यह फुल कस्टम ड्यूटी छूट पहली बार 2 अप्रैल को एक अस्थायी राहत उपाय के रूप में शुरू की गई थी।

'तो बर्बाद हो जाएगी पूरी

इस्लामाबाद। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि रद कर दी थी। भारत के इस फैसले का सीधा असर पाकिस्तान पर पड़ा।

सिंधु जल संधि पर इस्लामाबाद में आयोजित सेमिनार में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) के नेता बिलावल भुट्टो और पाकिस्तानी मंत्री मुसादिक मलिक ने भारत का नाम लिए बिना धमकी दी है।

जून में 1.94 लाख करोड़ जीएसटी कलेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

पिछले साल से 14% ज्यादा, अप्रैल में रिकॉर्ड 2.42 लाख करोड़ का कलेक्शन रहा था

जून 2026 में 1.94 लाख करोड़ रुपए का GST कलेक्शन हुआ है। यह अप्रैल के रिकॉर्ड 2.42 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले 20% कम है। हालांकि पिछले साल की समान अवधि यानी जून 2025 से 14% ज्यादा है।

जून 2025 में 1.71 लाख करोड़ का जीएसटी कलेक्शन हुआ था। सरकार ने आज यानी 1 जुलाई को GST कलेक्शन के आंकड़े जारी किए। जून महीने में GST कलेक्शन की ग्रोथ मुख्य रूप से इंपोर्ट पर निर्भर रही। इंपोर्टेड गुड्स से होने वाला ग्रॉस GST रेवेन्यू सालाना आधार पर 35% बढ़कर 60,038 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, दूसरी तरफ घरेलू ट्रांजैक्शन से होने वाली ग्रॉस घरेलू कमाई में 6.5% की तेजी आई और यह 1.34 लाख करोड़ रुपए रही।

जीएसटी कलेक्शन यह बताता है कि देश की अर्थव्यवस्था कितनी तंदुरुस्त है। अगर कलेक्शन ज्यादा है, तो इसका मतलब है कि लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं, फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ रहा है और लोग ईमानदारी से टैक्स भर रहे हैं। GST रिफंड क्या है: जब कोई कंपनी अपनी देनदारी से ज्यादा टैक्स चुका देती है या एक्सपोर्ट करती है, तो सरकार उसे टैक्स वापस करती है, जिसे रिफंड कहते हैं।

लोग बोले- हम पाकिस्तान का हिस्सा नहीं, 1 करोड़ का इनामी शौकत नवाज गिरफ्तार

पीओके में प्रदर्शन

आंदोलन

महंगाई से शुरू हुआ आंदोलन, अब राजनीतिक मुद्दा बना

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। मंगलवार को रावलकोट के ईदगाह ग्राउंड में हजारों लोग जुटे। उन्होंने कहा कि PoK पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। यह आंदोलन जम्मू-कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) की अगुआई में चल रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, JAAC के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर को दो साथियों के साथ धीरकोट के सांगर फत्तार इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। PoK में JAAC के 600 से ज्यादा नेता और कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया है।

रावलकोट के ईदगाह ग्राउंड में मंगलवार को हजारों प्रदर्शनकारी जुटे थे।(यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।)

शौकत नवाज मीर समेत JAAC के नेताओं की गिरफ्तारी की सूचना देने वालों के लिए पाकिस्तान सरकार ने 1 करोड़ के इनाम की घोषणा की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, आंदोलन महंगाई, खाद्य संकट, बढ़ती कीमतों और स्थानीय प्रशासन के मुद्दों को लेकर शुरू हुआ था। अब यह पाकिस्तान सरकार के खिलाफ राजनीतिक विरोध का रूप ले चुका है। हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रावलकोट और मीरपुर के लोगों को 'असल कश्मीरी नहीं' बताया था। इसके बाद विरोध और बढ़ गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, JAAC के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत केस भी दर्ज किए गए हैं। सरकार ने 5 जून को JAAC पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद से इलाके में तनाव लगातार बढ़ रहा है।

प्रदर्शनकारी बोले- हमें नहीं, पाकिस्तान को हमारी जरूरत

प्रदर्शन के दौरान JAAC नेता सरदार अमन खान ने कहा, 'हमें आपके राशन की जरूरत नहीं, आपको हमारी जरूरत है। अगर जरूरी सामान की सप्लाई बंद रही तो लोग जिंदा रहने के लिए दूसरा रास्ता चुनने को मजबूर होंगे।'

उनका आरोप है कि पाकिस्तान सरकार आंदोलन को दबाने के लिए जानबूझकर जरूरी सामान की सप्लाई रोक रही है।

इंटरनेट बंद, 22 मौतों का दावा

रिपोर्ट के मुताबिक, जून की शुरुआत से PoK के कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं सीमित हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आंदोलन की तस्वीरें और वीडियो बाहर जाने से रोकने के लिए ऐसा किया गया है। पिछले दो हफ्तों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पों में कम से कम 22 लोगों की मौत हुई है।

> गिलगित-बाल्टिस्तान के बाद 27 जुलाई को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। पीओके की विधानसभा में कुल 53 सीटें हैं। इनमें से 45 सीटों पर सीधे चुनाव होता है, जबकि 8 सीटें महिलाओं, तकनीकी विशेषज्ञों और धार्मिक विद्वानों के लिए आरक्षित हैं।

ईरान ने लिखा- आपका आना आपसी सम्मान का प्रतीक, 2 करोड़ लोगों के पहुंचने का अनुमान

जैन मुनि को खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता

तेल अवीव, एजेंसी

जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह कार्यक्रम 4 और 5 जुलाई को तेहरान में होगा।

ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्तों को देखते हुए आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों के बीच गहरे सम्मान और मित्रता का प्रतीक होगी। ईरानी मीडिया के मुताबिक, अंतिम संस्कार में 1.2 करोड़ से 2 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसी वजह से पूरे तेहरान में सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं। शहर में कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही भी सीमित रहेगी।

भारत सरकार की ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैय्यद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा भी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

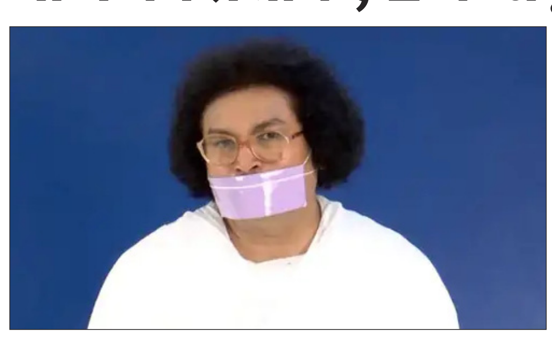

जैन संत आचार्य लोकेश मुनि को पूर्व ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता मिला है।

रिपोर्ट- दोहा जाने से बच रहे ईरान के बड़े नेता

अमेरिका-ईरान समझौते (MoU) की शर्तें लागू होने में देरी के बीच ईरान के शीर्ष नेता दोहा जाने से बच रहे हैं। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ शोधकर्ता एलेक्स वातांका ने दावा किया कि ईरान में अब इस समझौते को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ईरान के भीतर लोग सवाल उठा रहे हैं कि विदेशों में फंसी ईरानी संपत्तियां अब तक क्यों नहीं मिलीं, होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण क्यों नहीं मिला और इजराइल अब भी लेबनान में क्यों मौजूद है।

वातांका के मुताबिक, कुछ लोगों का मानना है कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालीबाफ ट्रम्प प्रशासन पर जरूरत से ज्यादा भरोसा कर रहे हैं, जबकि अमेरिका अपने वादे पूरे नहीं भी कर सकता है।

कतर में अमेरिका-ईरान की तकनीकी वार्ता शुरू

कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत शुरू हो गई है। अल जजीरा के मुताबिक, यह बातचीत अमेरिका-ईरान के बीच हुए MoU को लागू करने के तहत हो रही है।

बातचीत के लिए तीन अलग-अलग वर्किंग ग्रुप बनाए गए हैं। इनमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय मुद्दों और विदेशों में फ्रीज ईरानी संपत्तियों की वापसी और वित्तीय मामलों पर चर्चा हो रही है।

ईरान ने जैन मुनि लोकेश खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता दिया

जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह निमंत्रण ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजा गया है। निमंत्रण पत्र में भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा गया है कि आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों की दोस्ती और आपसी सम्मान का प्रतीक होगी।

ईरान बोला- होर्मुज हमारी सबसे बड़ी ताकत, पीछे नहीं हटेंगे

ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट उसकी सबसे बड़ी ताकत है और इस पर उसका अधिकार बना रहेगा। ईरानी संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गालीबाफ ने कहा कि अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (MoU) में समुद्री सेवाओं के लिए 60 दिनों की छूट सिर्फ अस्थायी व्यवस्था है। ईरानी सरकारी मीडिया से बातचीत में गालीबाफ ने कहा कि होर्मुज ईरान के क्षेत्रीय जल का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका यह कहकर विवाद पैदा नहीं कर सकता कि ईरान ने इस स्ट्रेट का सैन्यीकरण कर दिया है। गालीबाफ ने कहा, 'ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर अपना अधिकार नहीं छोड़ा है। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा।'

फैसला: सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प का आदेश रद्द किया, कहा- देश में जन्मा हर बच्चा अमेरिकी नागरिक होगा

अमेरिका में जन्मजात नागरिकता कानून बरकरार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बड़ा संवैधानिक फैसला सुनाते हुए कहा कि अमेरिका में जन्म लेने वाला हर बच्चा जन्म से अमेरिकी नागरिक होगा, चाहे उसके माता-पिता देश में अवैध रूप से रह रहे हों या फिर अस्थायी वीजा पर आए हों।

अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस कार्यकारी आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें ऐसे बच्चों को जन्म से नागरिकता देने से इनकार किया गया था। यह फैसला 5-4 के बहुमत से आया। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने बहुमत का फैसला लिखा। अमेरिका में पिछले 158 साल से यह व्यवस्था लागू है कि वहां जन्म लेने वाला हर बच्चा अपने जन्म के साथ ही अमेरिकी नागरिक बन जाता है। यह अधिकार अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन में दिया गया है। 1 अप्रैल को ट्रम्प इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में मौजूद रहे। किसी मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति का सुप्रीम कोर्ट में इस तरह सुनवाई के दौरान मौजूद रहना बेहद दुर्लभ माना जाता है।

अगर ट्रम्प का यह आदेश लागू हो जाता, तो हर साल अमेरिका में जन्म लेने वाले करीब 2.5 लाख बच्चों की कानूनी स्थिति प्रभावित होती। साथ ही परिवारों को अपने नवजात बच्चे की नागरिकता तय कराने के लिए माता-पिता की नागरिकता और इमिग्रेशन स्थिति के दस्तावेज भी देने पड़ते। यह फैसला ट्रम्प के लिए इसलिए भी बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान इसे खत्म करने का वादा किया था। 1865 में अमेरिकी गृहयुद्ध खत्म होने के बाद, जुलाई 1868 में अमेरिकी संसद में 14वें संशोधन को मंजूरी दी गई थी। इसमें कहा गया था कि देश में पैदा हुए सभी अमेरिकी नागरिक हैं।

शपथ लेने के कुछ घंटे बाद ही जारी किया था आदेश

ट्रम्प ने अपने शपथ ग्रहण वाले दिन यानी 20 जनवरी 2025 को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर बर्थ राइट सिटिजनशिप पर रोक लगा दी थी। इसके कुछ ही दिन बाद कई संघीय (फेडरल) जिला अदालतों ने इस आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी। यानी ट्रम्प का आदेश लागू ही नहीं हो सका। हालांकि उस समय बर्थराइट सिटिजनशिप पर रोक नहीं लगी थी, बल्कि ट्रम्प के आदेश पर रोक लगी थी। इसके बाद फिर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने अब अंतिम फैसला देते हुए कहा कि 14वां संशोधन जन्मजात नागरिकता की गारंटी देता है। इसलिए ट्रम्प का आदेश असंवैधानिक है और उसे रद्द कर दिया।

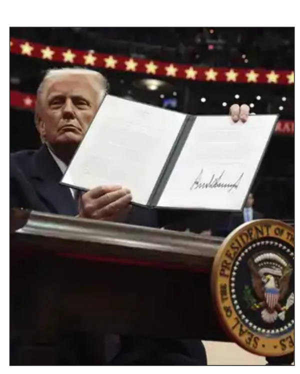

ट्रम्प ने 20 जनवरी को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर जन्मजात नागरिकता के अधिकार पर रोक लगाई थी।

पिछले 6 महीने में सोना 20% और चांदी 43% सस्ती

सेंसेक्स 11% और निफ्टी 8.6% गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी

साल के पहले छह महीने निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरे रहे। इस दौरान 29 जनवरी के रिकॉर्ड स्तर से सोना करीब 20% और चांदी 43% तक सस्ती हो गई। वहीं, सेंसेक्स में 11% और निफ्टी में 8.6% की गिरावट दर्ज की गई। मजबूत डॉलर और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरें कम न करने के संकेत से सोने-चांदी पर दबाव बना। दूसरी ओर, अमेरिका-ईरान जंग से शेयर मार्केट दबाव में रहा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नए चेयरमैन केविन वॉर्श के सख्त रुख के बाद निवेशकों को ब्याज दरों में जल्द राहत की उम्मीद कम हो गई। इसका असर सोने की मांग पर पड़ा। ईरान जंग से तनाव के कारण ग्लोबल मार्केट में और बढ़ती महंगाई के कारण शेयर मार्केट का सेंटिमेंट कमजोर हुआ। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया का कहना है कि शॉर्ट टर्म में ETF से निकासी और उतार-चढ़ाव की वजह से सोने में 2% से 5% तक और गिरावट आ सकती है।

हालांकि, साल के अंत तक इसमें 12% से 15% की तेजी आने की उम्मीद है। इक्विनॉमिक्स रिसर्च प्रा. लि. के संस्थापक जी. चोकालिंगम का कहना है कि अगले छह महीनों में स्मॉलकैप और मिडकैप शेयर, सेंसेक्स और निफ्टी जैसे लार्जकैप शेयरों से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676